www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 ट्रंप की धमकी को धता बताना जरूरी, अमेरिका को खटक रहा भारत का फायदा

ट्रम्प-पुतिन के बीच 3 घंटे बैठक, कोई डील नहीं हुई 06

वर्ष :17 | अंक :137 | प्रयागराज , रविवार 17 अगस्त, 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

सिलवासा में व्यक्ति ने अपने दो दिव्यांग बच्चों की हत्या के बाद फंदे से लटककर जान दी

केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली, दमन एवं दीव के सिलवासा में एक व्यक्ति ने पत्नी के हाल ही में उसे छोड़कर चले जाने के बाद अपने दो दिव्यांग बच्चों की कथित तौर पर हत्या कर दी और फिर खुद भी फंदे से लटककर जान दे दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। सिलवासा थाने के उपनिरीक्षक अनिल टी के ने बताया कि सुनील भाकरे (56) ने समरवरनी इलाके में किराए के अपने मकान में जय (18) और आर्य (10) की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी और फिर खुद भी फंदे से लटककर जान दे दी। उपनिरीक्षक ने बताया, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि व्यक्ति ने पहले अपने दोनों बच्चों को जहर दिया और फिर उनका गला घोंट दिया। व्यक्ति की पत्नी लगभग दो हफ़्ते पहले उसे छोड़कर चली गई थी और उसे अपने बच्चों की देखभाल करनी पड़ रही थी, जिसके कारण उसने यह कदम उठाया। व्यक्ति मुंबई के पास रायगढ़ का रहने वाला था और पिछले दो दशकों से सिलवासा में रह रहा था। उन्होंने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले में जांच की जा रही है।

बेंगलुरु में प्लास्टिक सामान निर्माण इकाई में आग लगी, एक परिवार के चार लोगों समेत पांच की मौत

बेंगलुरु के के.आर. मार्केट के पास नागरथपेट क्षेत्र में प्लास्टिक का सामान बनाने की एक इकाई में आग लगने से एक ही परिवार के चार लोगों और एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने मृतकों की पहचान मदन सिंह (38), संगीता (33) और उनके दो बच्चों रितेश (7) और विहान (5) तथा पड़ोसी सुरेश कुमार (26) के रूप में की है। पुलिस के अनुसार, मदन सिंह राजस्थान के मूल निवासी थे और लगभग 10 सालों से इस इमारत को किराए पर ले रखा था। वह एक छोटी फैक्टरी चलाते थे जहां प्लास्टिक के सामान के साथ-साथ चटाई भी बनायी जाती थी। वह इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर रहते थे। पुलिस ने कहा कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका है। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें सुबह करीब तीन बजकर 14 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। एक अधिकारी ने बताया कि आग बुझाने के लिए आठ वाहन लगाए गए हैं और 55 दमकलकर्मी तथा 21 अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। उन्होंने कहा, यह एक तरह का गोदाम है जहां काफी सामान रखा हुआ है। इस वजह से आग पर काबू पाना मुश्किल हो रहा है।

एनसीईआरटी ने तैयार किया नया मॉड्यूल, जिन्ना, कांग्रेस और माउंटबेटन को बताया विभाजन का दोषी

कांग्रेस बोली- इसे फाड़ देना चाहिए, आरएसएस इतिहास का सबसे बड़ा विलेन

मॉड्यूल जारी

इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान ने कश्मीर पर कब्जा करने के लिए तीन युद्ध लड़े हैं और हारने के बाद, जिहादी आतंकवाद के निर्यात की नीति अपनाई है... यह सब विभाजन का परिणाम है। मॉड्यूल में बताया गया है कि जिन्ना ने भी बाद में स्वीकार किया था कि उन्हें अपने जीवनकाल में विभाजन की उम्मीद नहीं थी: मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा।

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के विभाजन पर एनसीईआरटी के नए विशेष मॉड्यूल ने देश के विभाजन के लिए कांग्रेस नेतृत्व पर महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी डाली है। इसमें कहा गया है कि उन्होंने विभाजन की योजनाओं को स्वीकार किया और जिन्ना को कम करके आंका, जबकि वे इसके बाद आने वाली दीर्घकालिक भयावहता का अनुमान लगाने में विफल रहे। इस अगस्त में विभाजन स्मृति दिवस के अवसर पर दो मॉड्यूल जारी किए गए, एक मध्य चरण के लिए और दूसरा द्वितीयक चरण के लिए। मॉड्यूल में कहा गया है, भारत का विभाजन और पाकिस्तान का निर्माण किसी भी तरह से अपरिहार्य नहीं था। इसके बजाय, उनका तर्क है कि तीन लोगों ने विभाजन को आकार दिया, जिन्ना, जिन्होंने इसकी मांग की; कांग्रेस, जिसने इसे स्वीकार किया; और माउंटबेटन, जिन्होंने इसे औपचारिक रूप दिया और लागू किया। द्वितीयक चरण के मॉड्यूल में कहा गया है, किसी भी भारतीय नेता को राष्ट्रीय या प्रांतीय प्रशासन, सेना, पुलिस आदि चलाने का अनुभव नहीं था। इसलिए, उन्हें स्वाभाविक रूप से उत्पन्न होने वाली बड़ी समस्याओं का कोई अंदाजा नहीं था... अन्यथा, इतनी जल्दबाजी नहीं की जाती। मॉड्यूल विभाजन को एक अभूतपूर्व मानवीय त्रासदी बताते हैं।

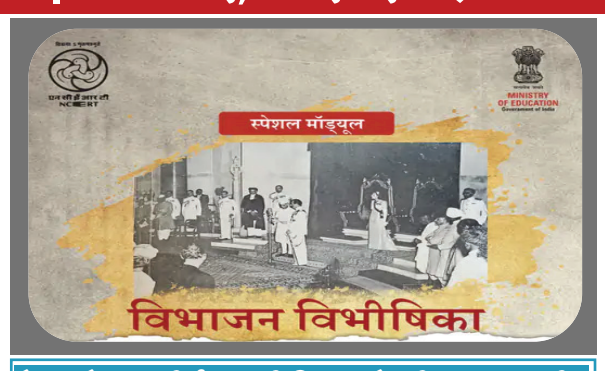

नेताओं एनसीईआरटी विवाद में की बयानबाजी

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव- अगर इतिहास के पन्ने पलटकर देखेंगे तो उसमें कई बाते लिखी हैं कि किस-किस ने माफी मांगी थी, सब सामने आ जाएगा।

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित- मैं एनसीईआरटी को बहस की चुनौती देता हूं। आज एनसीईआरटी बीजेपी के कब्जे में है, जिन्हें बंटवारे के बारे में कुछ पता ही नहीं है।

आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा- इतिहास किसी की सोच से नहीं बदलता, उसका पूरा संदर्भ होता है। ये लोग गांधी को भी दोषी ठहराते हैं, कांग्रेस को नहीं। यही इनकी सोच है। भाजपा को नफरत की भाषा ही आती है और ये नफरत के बीज बोने में माहिर हैं। लेकिन अब ये फसल हमारे देश में नहीं उगने वाली।

पीएम मोदी के भाषण का हिस्सा भी शामिल

पेशल मॉड्यूल की प्रस्तावना में पीएम नरेंद्र मोदी के शब्दों को भी शामिल किया गया है। मोदी ने कहा था, 'बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। हमारी लाखों बहनें और भाई विस्थापित हो गए और लोगों की नासमझी और नफरती हिंसा के कारण कई जानें गईं। संघर्षों और बलिदान की याद में हमारे लोग 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाएंगे।'

अटल बिहारी वाजपेयी की आज 7वीं पुण्यतिथि

सदैव अटल पहुंच राष्ट्रपति और पीएम ने श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री और भाजपा नेता वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने राजघाट पर उनकी समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया।

एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उनके स्मारक सदैव अटल का दौरा किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री और भाजपा नेता वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने राजघाट पर उनकी समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया। इसके अलावा कई केंद्रीय मंत्री और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित कई अन्य गणमान्य लोग वाजपेयी को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां उनके स्मारक सदैव अटल पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सातवीं पुण्यतिथि पर शनिवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि वह विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान के लिए हर किसी को प्रेरित करने वाला है। वाजपेयी भारतीय जनता पार्टी के संस्थापकों में एक थे। वह तीन बार देश के प्रधानमंत्री बने। उनका पहला कार्यकाल 1996 में मात्र 13 दिनों का था। इसके बाद, वह 1998 में फिर प्रधानमंत्री बनें और उन्होंने 13 महीने तक इस पद को संभाला। वर्ष 1999 में वह तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। वह पहले ऐसे गैर-कांग्रेसी नेता थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में अपना कार्यकाल पूरा किया। वायपेयी को आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने का श्रेय दिया जाता है, जिससे देश का तेजी से विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ।

मंत्रालय ने बताया कि यह परियोजना सीपीडब्ल्यूडी द्वारा पूरी की गई थी, जिसकी पूरी लागत अटल स्मृति न्यास सोसाइटी द्वारा वहन की गई थी. अटल बिहारी वाजपेयी, जिनका जन्म 25 दिसंबर, 1924 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुआ था, तीन बार प्रधानमंत्री चुने गए. वे अपना कार्यकाल पूरा करने वाले पहले गैर-कांग्रेसी नेता थे. उन्होंने 16 मई, 1996 से 1 जून, 1996 तक और फिर 19 मार्च, 1998 से 22 मई, 2004 तक कुछ समय के लिए इस पद पर कार्य किया. वाजपेयी ने 1977 से 1979 तक प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के मंत्रिमंडल में भारत के विदेश मंत्री के रूप में भी कार्य किया.

श्री कृष्ण जन्मभूमि से गुलामी के अंश का करेंगे अंत

मथुरा में सीएम योगी ने किया बड़ा ऐलान

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि से बड़ा ऐलान किया कि अयोध्या की तरह यहां भी गुलामी के अंश को खत्म किया जाएगा। यह बयान सीधे तौर पर श्री कृष्ण जन्मभूमि - शाही ईदगाह विवाद की ओर इशारा करता है, जो लंबे समय से चला आ रहा है। इसके साथ ही उन्होंने मथुरा और ब्रज क्षेत्र के लिए 645 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का भी लोकार्पण किया।

एजेंसी

जन्माष्टमी के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा पहुंचकर श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मथुरा और ब्रज क्षेत्र के लिए 645 करोड रुपये की 118 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया, जिसे मथुरावासियों के लिए एक बडा तोहफा माना जा रहा है। मथुरा में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री योगी ने एक बडा बयान दिया, जिसने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार गुलामी के अंश को खत्म कर रही है।' उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर का जिक्र करते हुए कहा कि हमने वहां 500 सालों के गुलामी के प्रतीक को हटाया और अब मथुरा में भी यही काम करेंगे। उनका यह बयान सीधे तौर पर श्री कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद की ओर इशारा करता है, जो लंबे समय से चल रहा है।

ब्रज क्षेत्र के विकास पर फोकस

योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि उनकी सरकार ने मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, बलदेव, गोवर्धन और राधा कुंड को तीर्थ स्थल के रूप में उनकी पौराणिक मान्यता को फिर से बहाल करने का फैसला किया है।

कांग्रेस ने जारी किया लापता वोट वीडियो

वोट अधिकार यात्रा से पहले बोले राहुल-जाग गई जनता

यह कांग्रेस द्वारा 'वोट चोरी से आजादी' अभियान शुरू करने की घोषणा के बाद आया है, जिसमें लोगों से चुनाव आयोग और भाजपा द्वारा कथित वोट चोरी के खिलाफ आंदोलन में शामिल होने का आन किया गया था।

एजेंसी

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को फिल्म 'लापता लेडीज' से प्रेरित एक स्पूफ वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उन्होंने चुनाव आयोग पर कांग्रेस के वोट चोरी के आरोपों को दोहराया और लोगों से 'वोट चोरी से आजादी' अभियान में शामिल होने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, चोरी चोरी, चुपके-चुपके... अब या नहीं, जनता जाग गई है। वीडियो में एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति पुलिस स्टेशन में चोरी की शिकायत दर्ज कराता हुआ दिखाई दे रहा है। जब एक पुलिसकर्मी पूछता है, क्या चोरी हुआ है? तो वह व्यक्ति हिचकिचाता है और जवाब देता है, वोट। पुलिसकर्मी चौंककर पूछता है, यह कैसे संभव है? वीडियो इस संदेश के साथ समाप्त होता है, आपके वोट की चोरी आपके अधिकार की चोरी है। यह क्लिप लापता लेडीज के एक दृश्य पर आधारित है, जिसमें एक पति पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराने जाता है कि उसकी पत्नी की अदला-बदली कर दी गई है।

ओवैसी का बड़ा हमला: फरर की तारीफ कर पीएम मोदी ने किया स्वतंत्रता संग्राम का अपमान

असदुद्दीन ओवैसी का पीएम मोदी पर बड़ा हमला! आरएसएस की तारीफ पर भड़के ओवैसी ने कहा कि यह संगठन स्वतंत्रता संग्राम में अनुपस्थित रहा और स्वतंत्रता सेनानियों से नफरत करता था। उन्होंने आरएसएस की हिंदुत्व विचारधारा को संविधान विरोधी बताते हुए इसे 'नफरत फैलाने वाला' करार दिया।

एजेंसी

इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की प्रशंसा करने के लिए निशाना साधा और इसे भारत के स्वतंत्रता संग्राम का घोर अपमान बताया। ओवैसी ने इस बात पर जोर दिया कि आरएसएस ने कभी स्वतंत्रता संग्राम में भाग नहीं लिया और कहा कि यह सांस्कृतिक संगठन अंग्रेजों से भी ज्यादा स्वतंत्रता सेनानियों से नफरत करता था। उन्होंने तर्क दिया कि आरएसएस ने हमेशा समावेशी राष्ट्रवाद का विरोध किया है।

किश्तवाड़ आपदा- 65 शव बरामद, 40 की पहचान:200+ लापता, 500 लोग रेस्क्यू

सीएम अब्दुल्ला से युवक बोला- हमें बस डेड बॉडी दे दो

जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के चसोटी गांव में सर्च-रेस्क्यू का आज तीसरा दिन है। 14 अगस्त की दोपहर 12.25 बजे यहां बादल फटा था। इस कारण मलबे में दबने से अब तक 65 लोगों की मौत हो चुकी है। अब तक 34 शवों की पहचान की जा चुकी है। 500 से ज्यादा लोग रेस्क्यू किए गए हैं, जबकि 200 लोग अब भी लापता हैं। घायलों की संख्या 180 है, जिनमें से 40 की हालत गंभीर है। सभी घायलों को किश्तवाड़-जम्मू के अस्पतालों में भर्ती किया गया है।

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला आज चसोटी पहुंचे। उन्होंने आपदा पीड़ितों से मुलाकात की और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। इस पर एक शख्स ने उनसे कहा- हमें कुछ नहीं चाहिए, आप सब अपने घर ले जाओ, हमें सिर्फ डेडबॉडी दे दो। मेरी मां-मौसी लापता हैं। युवक ने आरोप लगाया कि यहां पर 20 जेसीबी आई हैं, हम कल से देख रहे हैं कि सिर्फ 2 ही जेसीबी काम कर रही हैं। आज आप आए तो इन्हें चालू किया गया। जब कोई नेता आता है तो जेसीबी चालू कर दी जाती हैं। यह हादसा उस वक्त हुआ जब हजारों श्रद्धालु मचैल माता यात्रा के लिए जिले के पड्डर सब-डिवीजन में चसोटी गांव पहुंचे थे। यह यात्रा का पहला पड़ाव है। यहां श्रद्धालुओं की बसें, टेंट, लंगर और कई दुकानें थीं। सब कुछ बाढ़ में बह गया। चसोटी किश्तवाड़ शहर से लगभग 90 किलोमीटर और मचैल माता मंदिर के रास्ते पर पहला गांव है। यह जगह पड्डर घाटी में है, जो 14-15 किलोमीटर अंदर की ओर है। इस इलाके के पहाड़ 1,818 मीटर से लेकर 3,888 मीटर तक ऊंचे हैं।

'वोट चोरी' के दावों के बीच आज चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस

गंभीर सवालों के जवाब देने की है तैयारी

बिहार में एसआईआर प्रक्रिया और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान विपक्षी नेताओं द्वारा वोट चोरी के आरोप लगाए जाने के बाद से यह पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस भी होगी।

एजेंसी

भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने शनिवार को घोषणा की कि वह रविवार, 17 अगस्त को राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेगा। ईसीआई ने कहा कि भारत चुनाव आयोग कल, यानी रविवार, 17 अगस्त, 2025 को दोपहर 3:00 बजे राष्ट्रीय मीडिया केंद्र, रायसीना रोड, नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेगा। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद संवैधानिक निकाय द्वारा आयोजित यह पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी।

प्रतिक्रिया | एनसीईआरटी के नए मॉड्यूल पर पवन खेड़ा ने दी तीखी प्रतिक्रिया, बीजेपी का पलटवार

विभाजन के लिए कांग्रेस जिम्मेदार

एजेंसी

नयी दिल्ली। एनसीईआरटी द्वारा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में जारी एक विशेष मॉड्यूल में मुहम्मद अली जिन्ना, कांग्रेस और तत्कालीन वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन को भारत के विभाजन के लिए ज़िम्मेदार ठहराया गया है। इस मॉड्यूल पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग की जुगलबंदी को अंग्रेजों के जाने के बाद भारत के विभाजन के लिए ज़िम्मेदार ठहराया है। मॉड्यूल में कहा गया है कि विभाजन के बाद, कश्मीर एक नई समस्या के रूप में उभरा जो भारत में पहले कभी मौजूद नहीं थी और इसने देश की विदेश नीति के लिए एक चुनौती पैदा कर दी। इसमें यह भी कहा गया है कि कुछ देश पाकिस्तान को सहायता देते रहते हैं और कश्मीर मुद्दे के नाम पर भारत पर दबाव बनाते रहते हैं। इस पर विवाद छिड़ गया है और कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने इस मॉड्यूल को जलाने की मांग की है क्योंकि इसमें सच नहीं बताया गया है। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि इस दस्तावेज को जला दो क्योंकि यह सच नहीं बताता। विभाजन हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग की सांठगांठ के कारण हुआ। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, आरएसएस इस देश के लिए खतरा है। विभाजन का विचार सबसे पहले 1938 में हिंदू महासभा ने फैलाया था। इसे 1940 में जिन्ना ने दोहराया। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के एनसीईआरटी द्वारा कक्षा 6 से 12 तक के लिए विभाजन विभीषिका दिवस पर विशेष मॉड्यूल जारी करने को लेकर दिए गए बयान पर कहा, मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आने वाली पीढ़ी को विभाजन की विभीषिका के बारे में जानने का हक नहीं है? विभाजन की विभीषिका एक दर्द है, एक घाव है जिसे मिटाना जरूरी है... क्या देश को उनके बारे में जानने का हक नहीं है जिनके परिवारों के साथ ये हुआ... इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है? यही जिन्ना, यही कांग्रेस...। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूँ...आखिरी समय में इसे रोकने की ताकत किसके पास थी?...दो-राष्ट्र सिद्धांत को हर कोई जानता है, जिसे कांग्रेस और मुहम्मद अली जिन्ना ने लागू किया था। कांग्रेस अभी भी मुस्लिम पहले और भारत के विभाजन की बात करती है। भाजपा नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि जो बंटवारा हुआ और उसके बाद जो भयावहता फैली, वह पूरी तरह सच थी।

इस पर विवाद छिड़ गया है और कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने इस मॉड्यूल को जलाने की मांग की है क्योंकि इसमें सच नहीं बताया गया है। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि इस दस्तावेज को जला दो क्योंकि यह सच नहीं बताता है।

आगे का रास्ता केवल... ट्रंप-पुतिन की अलास्का बैठक पर आया भारत का रिएक्शन

बयान में आगे कहा गया है कि भारत शिखर वार्ता में हुई प्रगति की सराहना करता है। आगे का रास्ता बातचीत और कूटनीति से ही निकल सकता है। दुनिया यूक्रेन में संघर्ष का जल्द अंत देखना चाहती है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत ने शनिवार को अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई हालिया शिखर वार्ता की सराहना की और यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने के लिए बातचीत और कूटनीति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को स्वीकार किया। शनिवार को जारी एक बयान में, भारतीय विदेश मंत्रालय ने अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई महत्वपूर्ण शिखर वार्ता का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने दोनों नेताओं के शांति प्रयासों की सराहना की और उनके नेतृत्व को बेहद सराहनीय बताया। बयान में आगे कहा गया है कि भारत शिखर वार्ता में हुई प्रगति की सराहना करता है। आगे का रास्ता बातचीत और कूटनीति से ही निकल सकता है। दुनिया यूक्रेन में संघर्ष का जल्द अंत देखना चाहती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच समिट बैठक का स्वागत करता है। शांति की दिशा में उनका नेतृत्व अत्यंत सराहनीय है। भारत समिट में हुई प्रगति की सराहना करता है। आगे का रास्ता केवल बातचीत और कूटनीति से ही निकल सकता है। दुनिया यूक्रेन में संघर्ष का शीघ्र अंत देखना चाहती है।

सम्पादकीय

पूंजी के खेल का शिकार बनता मनुष्य, हमेशा जीवित रहने की चाह

विशालकाय हाथी मैमथ को भी वापस लाने की कोशिश की जा रही है। बहुत सी लुप्त प्रजातियों की वापसी चकित करती है। क्लोनिंग के जरिए जन्मी डाली भेड़ के बारे में तो आपने सुना ही होगा। एक व्यक्ति ने लाखों डालर खर्च करके अपने मृत डागी का क्लोन बनवाया भी था। विज्ञान के जरिए ही मनुष्य चांद तक पहुंचा। अब मंगल ग्रह पर जाने की सोच रहा है। विज्ञान की दुनिया बेशुमार चमत्कारों से भरी है, लेकिन ये चमत्कार किसी परी या बौने की जादुई छड़ी से न होकर विज्ञान आधारित नियमों के अनुसार ही होते हैं। हाल में अमेरिका में एक ऐसे बच्चे ने जन्म लिया, जिसे तीस साल पहले सुरक्षित भ्रूण से दुनिया में लाया गया है। इसे दुनिया का सबसे बूढ़ा बच्चा बताया जा रहा है। इसी तरह दुनिया से गायब वुली वोल्फ की वापसी हो चुकी है। डोडो और डायनासोर के बारे में भी कहा जा रहा है कि एक बार वे फिर धरती पर विचरेंगे। विशालकाय हाथी मैमथ को भी वापस लाने की कोशिश की जा रही है। बहुत सी लुप्त प्रजातियों की वापसी चकित करती है। क्लोनिंग के जरिए जन्मी डाली भेड़ के बारे में तो आपने सुना ही होगा। एक व्यक्ति ने लाखों डालर खर्च करके अपने मृत डागी का क्लोन बनवाया भी था। विज्ञान के जरिए ही मनुष्य चांद तक पहुंचा। अब मंगल ग्रह पर जाने की सोच रहा है। विज्ञान ऐसी तमाम बातों को भी खोजने की कोशिश कर चुका है, जिनमें सफलता नहीं मिली। जैसे कि रसायनशास्त्र के विकास के बारे में कहा जाता है कि उसका विकास अमृत और सोने की खोज के बारे में हुआ। अमृत भारतीय मनीषा में भी बहुत जगह बनाता है। कहते हैं समुद्र मंथन के दौरान यह निकला भी था और देवताओं और दानवों में इसके अधिकार के लिए युद्ध हुआ था।मनुष्य मृत्यु से बहुत डरता है। वह हमेशा जीवित रहना चाहता है। चिकित्सा विज्ञान ने उसे अब लंबी आयु भी प्रदान की है, लेकिन मृत्यु पर विजय अभी तक नहीं पाई जा सकी है। स्पेन के एक गांव में लोगों से कहा जाता है कि उन्हें मरना नहीं है। इसलिए वे ज्यादा से ज्यादा स्वस्थ रहें। एक ऐसी कथा भी है कि एक राजा ने अमरता का वरदान प्राप्त कर लिया था। फिर वह ऐसे स्थान पर पहुंचा,जहां लोग अमर थे। वे जीवन से ऊब चुके थे। मरना चाहते थे, लेकिन मर नहीं सकते थे। यह दुनिया विविध विचारों से भरी हुई है। अभी पिछले दिनों खबर आई कि जर्मनी की एक बायो लैब शवों को सुरक्षित करना चाहती है, ताकि भविष्य में यदि विज्ञान का इतना विकास हो जाए कि मृत व्यक्ति को जीवित किया जा सके, तो इन्हें फिर से जीवित किया जा सकेगा। यह लैब इसके लिए दो लाख डालर लेगी। अब तक छह सौ से अधिक लोगों ने उसके यहां बुकिंग कराई है। इसे क्रायो प्रिजर्वेशन का नाम दिया गया है।

आज का विचार

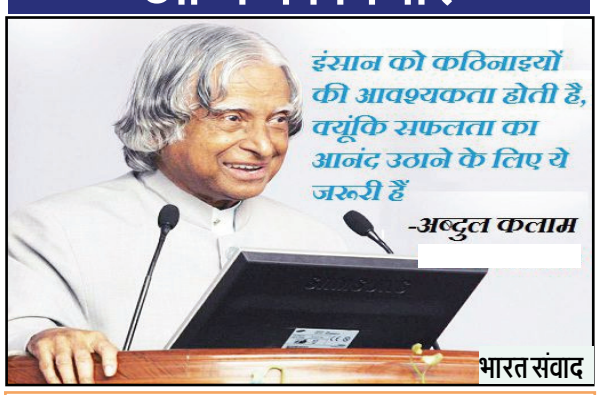

राशिफल

मेष राशि: व्यापार के मामले में आप कोई विशेष व्यवस्था कर सकते हैं और आपका ज्यादा समय भी इसी कार्य में बीतेगा। कार्यक्षेत्र में आपको कोई भी काम पूरी सावधानी से करना होगा। इससे मान-सम्मान और मनोबल में वृद्धि होगी।

वृषभ राशि: आपका दिन अच्छा रहने वाला है और भाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और उत्तम धन-संपत्ति की प्राप्ति भी हो सकती है। इसी के चलते आपका मन प्रसन्न रहेगा। चंद्रमा दशम भाव में सुख-शांति का कारक है।

मिथुन राशि: कामकाज के सिलसिले में आपको ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है। इसका प्रभाव सेहत पर भी पड़ेगा और मानसिक तनाव बढ़ने की भी संभावना है। व्यापार के मामले में नए संपर्क बनाने से लाभ मिल सकता है

कर्क राशि : आपको विशेष संपत्ति प्राप्त होने की संभावना बनी हुई है। इसे मामले में कुछ धन भी खर्च हो सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना आपके लिए बेहतर होगा। संतान की ओर से कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है

सिंह राशि : भाग्य का आपको साथ मिल सकता है और आर्थिक मामलों में भी लाभ कमाने का मौका मिल सकता है। कार्यस्थल पर स्थान परिवर्तन होने से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है व्यापार में सहयोगी का साथ मिलने से तनाव कम होगा। वहीं, कार्यक्षेत्र में आपके मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी।

कन्या राशि: कार्यक्षेत्र में आज कई लोग आपकी सलाह लेने आपके पास आ सकते हैं। ऐसे में आप संयम के साथ उनका मार्ग दर्शन करा सकते हैं। आने वाले समय में कामकाज के सिलसिले में यही लोग आपको सहयोगी बन सकते हैं।

तुला राशि: आपका दिन अच्छा रहने वाला है और भाग्य का भी साथ मिल सकता है। व्यापार के मामले में लाभ कमाने के अवसर प्राप्त होंगे, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में किसी प्रिय मित्र की सलाह और सहयोग से आपके बिगड़े काम भी बनने शुरू हो सकते हैं।

वृश्चिक राशि: कारोबार के मामले में दिन अच्छा रहेगा और आपको लाभ कमाने के मौके मिल सकते हैं। अगर कार्यस्थल पर लंबे समय के कुछ कार्य बिगड़ रहे थे, तो अब वे बनने शुरू हो सकते हैं। व्यापार के मामले में किसी अनुभवी व्यक्ति सलाह लेने से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है।

धनु राशि : आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहेगा और आपको अचानक कहीं से बड़ी मात्रा में धन प्राप्त हो सकता है। इससे आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी और आप अपने पसंद की चीजों पर कुछ धन खर्च कर सकते हैं।

मकर राशि: आप कामकाज में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं और कार्यस्थल पर जरूरी कार्यों को भी समय पर पूरा करने की कोशिश करनी होगी। व्यापार के मामले में आपको अपनी योजनाओं पर ध्यान देना होगा और बिगड़े हुए कामों को सुधारने का प्रयास करना होगा।

कुंभ राशि : आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और आर्थिक मामलों में भी दिन अच्छा रहने वाला है। आपके धन में वृद्धि हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कार्यस्थल पर प्रबल से प्रबल विरोधियों का भी आप डटकर सामना करेंगे और सफलता भी हासिल करेंगे। कार्यक्षेत्र में उन्नति मिलने से तनाव कम होगा और परिवार में जीवनसाथी के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

मीन राशि : कार्यक्षेत्र में कामकाज सामान्य गति से चलेगा और आपको किए गए प्रयासों का फल भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहेगा और आर्थिक मामलों में सोच-समझकर फैसले करने से लाभ होगा। घर में किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है और धार्मिक कार्यों से जुड़ी कोई यात्रा भी की जा सकती है। शाम के समय परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

ट्रंप की धमकी को धता बताना जरूरी, अमेरिका को खटक रहा भारत का फायदा

अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत को एक रणनीतिक साझेदार बताता है और चीन की एक काट के रूप में देखता है। क्या कोई अपने रणनीतिक साझेदार को टैरिफ लगाने-बढ़ाने की धमकियां देता है और उसकी ऊर्जा नीति को लेकर सार्वजनिक प्रलाप करता है। इस तरह के आक्रामक कदम रक्षा प्रौद्योगिकी और आर्थिक सहयोग में दशकों के बने भरोसे पर आघात करते हैं।

पा यूक्रेन युद्ध के बाद से भारत रियायती दरों पर रूसी कच्चा तेल खरीद रहा है। इसने भारत को बड़ी आर्थिक बढ़त दिलाई है। भारत जिस ब्रेंट क्रूड के अंतरराष्ट्रीय पैमाने पर तेल की खरीद करता आया है, उससे कहीं कम कीमत पर वह रूस से रोजाना 17 से 19 लाख बैरल तेल खरीद रहा है। इससे भारत के लिए घरेलू ईंधन कीमतों को नियंत्रण में रखने, महंगाई पर लगाम लगाने और विकास के लिए राजकोषीय गुंजाइश बढ़ाने में मदद मिली है। यह कोई अवसरवादी नीति नहीं, बल्कि अस्थिर वैश्विक बाजार में राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने का एक सुनियोजित कदम है।भारत को हो रहा यह लाभ अमेरिका को खटक रहा है। इसके चलते अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत पर टैरिफ के 25 प्रतिशत अतिरिक्त हजार्ना लगाने की भी घोषणा की है। यह 25 प्रतिशत टैरिफ के अतिरिक्त है। ट्रंप की भारत पर हजार्ना लगाने के पीछे की दलील बेमानी दिखती है, क्योंकि रूसी तेल खरीदने को लेकर तो वे भारत पर ऊंचे टैरिफ और हजार्ना लगाते हैं, लेकिन मास्को से सर्वाधिक मात्रा में तेल खरीद रहे चीन को अनदेखा कर देते हैं। इस मामले में भारत को जिस प्रकार निशाना बनाया जा रहा है, उससे यह केवल एक वाणिज्यिक विवाद न रहकर हमारे संप्रभु नीति निर्माण को भी चुनौती देता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दबाव तब बना रहे हैं, जब उनका दावा है कि रूस के साथ उनकी बात सही दिशा में जा रही है। भारत को उनके द्वारा निशाना बनाए जाने के बाद तेल की कीमतों से लेकर अमेरिकी बाजारों तक में हलचल देखने को मिली है। ऐसी परिस्थितियों में भारत द्वारा तेल खरीद के फैसले का राजनीतिकरण व्यापक ऊर्जा स्थिरता के परिदृश्य को चोट पहुंचा सकता है। वैसे भी यह रुख-रवैया अपनी सुविधा के अनुसार अपनाया जा रहा है। यूरोपीय संघ ने 2024 में रूस के साथ 67 .5 अरब डालर का व्यापार किया। जबकि 2024 में ही यूरोप ने रूस से रिकार्ड मात्रा में 1.65 करोड़ टन एलएनजी आयात की। इससे नई दिल्ली में यही धारणा मजबूत हो रही है कि भारत को राजनीतिक कारणों से परेशान किया जा रहा है, जबकि पश्चिमी सहयोगियों को अमेरिका ने छूट दे रखी है। देखा जाए तो रूसी तेल खरीदकर भारत ने केवल अपनी अर्थव्यवस्था को ही फायदा नहीं पहुंचाया, बल्कि वैश्विक मुद्रास्फीतिक दबाव को भी नियंत्रित रखने में भी सहायक बना है। भारत रूसी तेल निर्यात का एक बड़ा हिस्सा खपा रहा है। यदि भारत ऐसा नहीं करता तो लाजिस्टिक्स एवं अन्य बढ़ी हुई लागतों के चलते अंतराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो सकती थी। दुनिया पहले से ही ऊर्जा, खाद्य और परिवहन के स्तर पर महंगाई से परेशान है, तब भारत द्वारा रूसी आयात के अभाव में इस परेशानी में और बढ़ोतरी होना तय था। वैश्विक हालात बद से बदतर होते जाते। घरेलू मोर्चे पर भी रूसी आयात घटाने का अर्थ होगा महंगी पश्चिमी एशियाई आपूर्ति बढ़ाना, ढुलाई की ऊंची लागत झेलना और रिफाइनरियों में इस नई खेप को शोधित करने के लिए आवश्यक परिवर्तन करना। इसका परिणाम या तो उपभोक्ताओं के लिए ईंधन की ऊंची कीमतों के रूप में निकलेगा या फिर सरकार को तेल सब्सिडी बढ़ानी होगी, जिससे इन्फ्रास्ट्रक्चर और कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च के लिए उसकी राजकोषीय गुंजाइश घटेगी। इस मुद्दे से जुड़े राजनीतिक पहलू भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत को एक रणनीतिक साझेदार बताता है और चीन की एक काट के रूप में देखता है। क्या कोई अपने रणनीतिक साझेदार को टैरिफ लगाने-बढ़ाने की धमकियां देता है और उसकी ऊर्जा नीति को लेकर सार्वजनिक प्रलाप करता है। इस तरह के आक्रामक कदम रक्षा, प्रौद्योगिकी और आर्थिक सहयोग में दशकों के बने भरोसे पर आघात करते हैं। इससे वाशिंगटन के साथ भावी सक्रियता को लेकर भी भारत और सतर्कता बरतेगा, जिससे द्विपक्षीय संबंधों में आ रही तेजी निस्तेज पड़ेगी। इतिहास साक्षी है कि भारत ने सदैव अपनी विदेश नीति स्वायत्तता की रक्षा की है। महाशक्तियों के दबाव वाले दौर में भी भारत झुका नहीं। विदेश नीति में भारत का यह स्वतंत्र रवैया यूक्रेन युद्ध में भी रेखांकित हुआ, जब पश्चिमी देशों द्वारा उक सावे के बावजूद भारत अपने रुख पर अडिग रहा। हाल में प्रधानमंत्री मोदी ने यह उल्लेख भी किया कि वैश्विक अस्थिरता के इस दौर में प्रत्येक देश अपने हितों को प्राथमिकता दे रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी स्पष्ट किया कि पारंपरिक खाड़ी आपूर्तिकताओं द्वारा यूरोप का रुख किए जाने से उपजी परिस्थितियों में ही रूस से आयात बढ़ा और अमेरिका एवं अन्य पश्चिमी देश किस तरह खुद रूस से ऊर्जा खरीदारी कर इस मामले में दोहरे रवैये का परिचय दे रहे हैं। यदि वर्तमान परिस्थितियों में भारत और चीन रूसी तेल का आयात बंद कर दें तो कच्चे तेल की कीमतों में एकाएक 20 डालर प्रति बैरल तक की बढ़ोतरी संभव है। समूचा विश्व लंबे समय तक ऊंची कीमतों के दौर को झेलने के साथ आपूर्ति में भी गतिरोध झेलने को विवश होगा। सस्ते रूसी तेल के केवल वाणिज्यिक लाभ ही नहीं, बल्कि यह भारत के वृहद आर्थिक स्थायित्व का भी एक मजबूत स्तंभ है, जो वैश्विक बाजार को भी संतुलन प्रदान कर रहा है। किसी तरह के राजनीतिक दबाव में इससे किनारा करना आर्थिक दृढ़ता और रणनीतिक स्वायत्तता दोनों को क्षति पहुंचाएगा। जब वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य अस्थिरता एवं अनिश्चितता से जूझ रहा है और ओपेक प्लस देश आपूर्ति में संभावित समायोजन के संकेत दे रहे हैं और बाजार कूटनीतिक घटनाक्रमों से प्रभावित हो रहे हैं, तब भारत को अपने आर्थिक एवं रणनीतिक लचीलेपन को हर हाल में कायम रखना चाहिए। ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा का एक अनिवार्य तत्व है और किसी तरह के दबाव में उससे समझौता भविष्य के किसी संकट से निपटने की भारत की क्षमताओं को कमजोर करेगा। ऊर्जा नीति में स्वतंत्र रुख-रवैया घरेलू स्थायित्व को सुरक्षा कवच प्रदान करने के साथ ही अमेरिका-भारत संबंधों की दूरगामी सेहत के भी अनुकूल होगा।

सड़क के कुत्तों को डॉग शेल्टर होम में रखने के सुप्रीम आदेश के व्यवहारिक मायने दिलचस्प

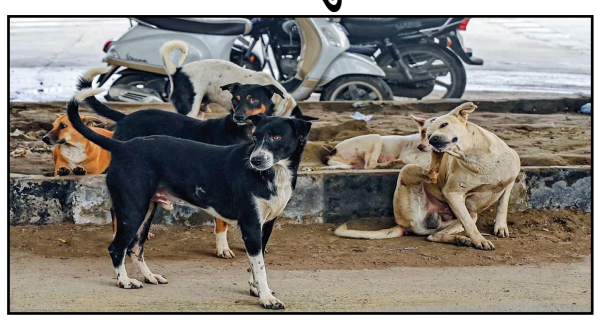

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने गत सोमवार को दिल्ली-एनसीआर के इलाकों से सड़क के कुत्तों को पकड़ने और उन्हें डॉग शेल्टर में रखने का निर्देश दिया है, उसके व्यवहारिक मायने दिलचस्प हैं, जबकि कतिपय नेताओं व पशु प्रेमियों ने इस सुप्रीम आदेश की सड़क छाप मुखालफत शुरू कर दी है। देखा जाए तो यह प्रेम या घृणा का मामला नहीं है, बल्कि वह सामाजिक न्यायिक पहल है जिससे सबका लोकतंत्र सुनिश्चित होता है। खासकर उन बच्चों-बुजुर्गों का जिन्हें इनसे सर्वाधिक खतरा रहता है। इसी भय से कई बार वे अकेले पार्क या पड़ोस में जाने से घबराते हैं। दरअसल, कोर्ट ने ऐसा आदेश कुत्तों के काटने और रेबीज के खतरे के बढ़ने के मद्देनजर स्वतः संज्ञान लेते हुए उक्त आदेश दिया है। इसलिए वह आलोचना नहीं बल्कि बधाई का पात्र हैं। इससे मीडिया रिपोर्ट्स की गंभीरता और प्रासंगिकता भी परिपुष्ट हुई है। मेरी व्यक्तिगत राय है कि इसका दायरा बढ़ाकर इसमें बंदरों और उन जानलेवा आवारा जानवरों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए।सच कहूं तो सभ्य समाज के लिए खतरा बनते जा रहे स्ट्रीट क्रिमिनल्स और स्ट्रीट बायस्ड पॉलिटिकल एक्टिविस्ट, जिनकी लोकल थानों व पुलिस चौकियों से सांठगांठ होती है, यदि इन जैसों के खिलाफ भी ऐसा ही सुप्रीम आदेश निर्गत हो जाए तो सभ्य समाज का भला हो जाएगा। क्योंकि कोई भी लोकतंत्र उन असभ्य लोगों को आजादी का अधिकार नहीं दे सकता, जो कि समाज के अन्य वर्गों के लिए खतरा बनते जा रहे हों। संभव है कि भविष्य में न्यायालय इन विडंबना भरे सामाजिक स्थितियों पर भी गौर करेगा और बेलगाम राजनीतिक व प्रशासनिक हुक्मरानों को समाज के प्रति उसी तरह से संवेदनशील बनाएगा, जैसा कि उसके ताजा निर्णयों से महसूस किया जाता है। बताते चलें कि अपने आदेश में कोर्ट ने साफ कहा है कि सरकार, एमसीडी और एनडीएमसी को अगले 6-8 हफ्तों में शेल्टर रूम की शुरूआत करनी होगी, क्योंकि यहां स्थिति बेहद गंभीर है। लिहाजा, कुत्तों के काटने की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन को तुरंत एहतियाती कदम उठाने की जरूरत है। लगे हाथ कोर्ट ने पशु प्रेमियों को यह दो टूक चेतावनी भी दे दी है कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन इन आवारा कुत्तों को पकड़ने में बाधा डालेगा, तो उसके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वाकई, कोर्ट ने साफ-साफ कहा है कि किसी भी कीमत पर शिशु और छोटे बच्चे रेबीज के शिकार नहीं होने चाहिए। उल्लेखनीय है कि जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने स्पष्ट कहा है कि इस कार्रवाई से लोगों में यह भरोसा पैदा होना चाहिए कि वे बिना डर के स्वतंत्र रूप से घूम सकें, बिना इस भय के कि कोई सड़क का कुत्ता उन्हें काट लेगा। इस प्रकार देखा जाए तो कोर्ट के फैसले की कुछ अन्य अहम बातें इस प्रकार हैं- पहला, कोर्ट ने सड़क के कुत्तों को गोद लेने की दलील खारिज करते हुए स्पष्ट कहा है कि सड़क के कुत्ते अचानक पालतू नहीं बन सकते। इसलिए इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती है। दूसरा, मानव जीवन और सुरक्षा सबसे पहले है। इसलिए तुरंत कदम उठाए जाने चाहिए। तीसरा, रोजाना पकड़े गए और शेल्टर में रखे गए कुत्तों का रेकॉर्ड बनाएं। चतुर्थ, एक सप्ताह के भीतर हेल्पलाइन बनाई जाए, ताकि कुत्ता-काटने के मामलों की रिपोर्ट हो सके।वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट रूप से पूछा है कि, क्या एनिमल एक्टिविस्ट और 'कथित पशु प्रेमी' उन बच्चों को वापस ला पाएंगे जो रेबीज का शिकार हो गए। बता दें कि कोर्ट ने गत 28 जुलाई को स्वतः संज्ञान लेते हुए यह मामला उठाया था, जब एक रिपोर्ट में दिल्ली-एनसीआर में रेबीज के बढ़ते मामलों, बच्चों और बुजुर्गों की मौत पर चिंता जताई गई थी। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में सड़क के कुत्तों को शेल्टर होम में भेजने के आदेश के एक दिन बाद, सुप्रीम कोर्ट ने एक और नया सर्कुलर जारी किया। कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट परिसर में बचे खाने को खुले में न फेंकें। उसे सिर्फ ढक्कन लगे कूड़ेदान में डालें, जिससे कि जानवरों के काटने की घटनाओं से बचा जा सके। सर्कुलर में इस मामले में नोटिस लिया गया कि सुप्रीम कोर्ट परिसर में गलियारों और लिफ्ट के अंदर कुत्तों के घूमने की घटनाओं में 'काफी' बढ़त देखी गई है। वहीं, यह सबकुछ करते हुए भी कोर्ट की भाषा विनम्र है और उसने विजिटर से भी निर्देश लागू करने में सहयोग मांगा है। जारी सर्कुलर में आगे कहा गया कि बचा हुआ सारा खाना सिर्फ कूड़ेदान में डाला जाए। किसी भी परिस्थिति में खुली जगह या बिना ढक्कन वाले बर्तनों में खाना नहीं फेंका जाना चाहिए। यह कदम जरूरी है, जिससे कि जानवरों (सड़क के कुत्तों) को खाने की गंध से आकर्षित होकर इधर-उधर घूमने से रोका जा सके। कोर्ट ने माना कि इससे काटने की घटनाओं का खतरा कम होगा और परिसर में साफ-सफाई भी बनी रहेगी। सभी आगंतुकों से इस निर्देश को लागू करने में सहयोग को कहा गया है। बता दें कि यह सब एक स्वस्थ सामाजिक आचरण है, लेकिन जब शिक्षक व प्रशासकों ने अपनी जिम्मेदारी स्वतः न समझी और सामाजिक स्थिति बद से बदतर होती गई तो कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा।उधर, कोर्ट के आदेश पर नेताओं का अलग-अलग नजरिया सामने आया है। सड़क के कुत्तों को शेल्टर होम भेजने के सुप्रीम आदेश के खिलाफ कई नेताओं, संगठनों और बॉलिवुड सितारों ने आवाज बुलंद की है। एक ओर जहां दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस फैसले पर साफ कहा है कि सरकार जल्द ही एक स्ट्रीट डॉग नीति लेकर आएगी और योजनाबद्ध तरीके से कोर्ट के आदेश को लागू करेगी, क्योंकि दिल्ली के लोग इससे तंग आ चुके हैं। इसलिए हम इस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं, क्योंकि हम लोगों को राहत देना चाहते हैं। चूंकि सड़क के कुत्तों की समस्या विकराल रूप ले चुकी है, इसलिए हम एक नीति बनाएंगे और लोगों को राहत देंगे। वहीं, दूसरी ओर पशु अधिकार कार्यकर्ता मेनका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसला की आलोचना करते हुए कहा कि, 'हमें तो पहले से ही ऐसी ही उम्मीद थी। अब, अगर इस आदेश का पालन किया जाता है, तो दिल्ली में तीन लाख कुत्तों को पकड़कर केंद्रों में रखना होगा। दिल्ली सरकार को 1,000-2,000 शेल्टर रूम बनाने होंगे, क्योंकि बहुत सारे कुत्ते आपस में लड़ेंगे। उन्हें रोकने के माकूल प्रबंध करने होंगे।' उन्होंने यह भी कहा कि इस फैसले में तार्किक सोच अभाव है। बीजेपी सांसद गांधी ने इस मामले में पीएम से हस्तक्षेप की अपील की। जबकि कांग्रेस के नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल और प्रियंका गांधी ने कहा कि इन्हें हटाना क्रूरता है। तृणमूल कांग्रेस ने चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर इस आदेश पर फिर से विचार की मांग की। वहीं, जॉन अब्राहम ने कहा कि 'ये कम्युनिटी का हिस्सा है, जिनसे कई लोग लगाव रखते हैं, खासकर दिल्ली के लोग...नसबंदी से इनकी आबादी पर काबू पा सकते है। उल्लेखनीय है कि डॉग लवर्स ने मंगलवार को कनॉट प्लेस पहुंचकर कुत्तों को शेल्टर होम भेजने के फैसले पर नाराजगी जताई और इस सुप्रीम आदेश/फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की है।

पीएम नरेंद्र मोदी के सितंबर अमेरिकी दौरा से आपसी रिश्तों में जमी बर्फ कुछ पिघलेगी?

चाहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हों, या अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स, दोनों भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ₹टफ नेगोशिएटर₹ यानी ₹कठोर वार्ताकार₹ बताते आए हैं। इसका अभिप्राय एक ऐसे व्यक्ति से होता है जो बातचीत में आसानी से हार नहीं मानता, अपनी बात पर दृढ़ रहता है और समझौते पर पहुंचने के लिए आसानी से झुकता नहीं है। जब-जब मैं उन दोनों नेताओं के मुख से टंप नेगोशिएटर शब्द सुनता हूँ तो महसूस करता हूँ कि आखिर इन अमेरिकियों के मन में चल क्या रहा है? लेकिन अब उन बातों का जवाब मिल चुका है। वह यह कि अमेरिका को चीन के मुकाबले एक मजबूत भारत नहीं, बल्कि पिछलग्गू भारत की जरूरत है। वहीं, भारत विरोधी पाकिस्तान व बांग्लादेश को पुनः भड़काकर अमेरिकी नेताओं ने मित्रता की आड़ में जो शत्रुतापूर्ण चालें चलीं हैं, उसके भी सही जवाब का उन्हें इंतजार करना होगा, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी आजतक किसी के चतुराई भरे व्यवहार या दुर्व्यवहार को कभी भूलते नहीं हैं और उचित वक्त आने पर सूद समेत ऐसा वापस करते हैं, जिसे दिग्गज नेता व उद्योगपति ज्यादा समझते हैं। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह अच्छा लग रहा है या बुरा। दरअसल, यह बात मैं इसलिए कर रहा हूँ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी सितंबर माह में संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित करने के लिए मित्र से शत्रु बनते जा रहे देश अमेरिका का अहम दौरा कर सकते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी की संभावित अमेरिका यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक ऐसे समय में हो रही है जब हाल के महीनों में भारत और अमेरिका के बीच संबंध प्रभावित हुए हैं। पहले इन सम्बन्धों पर रूस-यूक्रेन की वक्र दृष्टि पड़ी और फिर भारत-पाक सीमित संघर्ष और इजरायल-ईरान युद्ध की। भारत-चीन की आंखमिचौली की बात अलग है। गौरतलब है ऐसा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराने का दावा किया तो नई दिल्ली ने उनके इस दावे का खंडन कर दिया। वहीं रूस-चीन से सीधी शत्रुता मोल नहीं ली। वहीं, गुटनिरपेक्ष भारत ने ग्लोबल साउथ को जो नेतृत्व दिया उससे भी विकसित देश चिढ़े हुए हैं। लिहाजा, सुलगता हुआ सवाल है कि क्या पीएम नरेंद्र मोदी के संभावित सितंबर अमेरिकी दौरा से आपसी रिश्तों में जमी बर्फ कुछ पिघलेगी? यदि हां तो फिर क्या इसके मायने दोनों पक्षों के लिए हितकारी साबित होंगे? उससे भी बड़ा सवाल यह है कि आखिर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने नवोदित पार्टनर भारत और पीएम मोदी के पीछे हाथ धोकर क्यों पड़े हुए हैं? आखिर वो क्या वजह है कि अमेरिका, अपने वैश्विक प्रतिस्पर्धी चीन का घोर विरोधी होने के बावजूद भी उसे अब नजरअंदाज कर रहा है, जबकि पहले सीधे टारगेट पर लिया करता था? यक्ष प्रश्न है कि भारत का नया करीबी पार्टनर होने के बावजूद अमेरिका उसे आंख पर आंख क्यों दिखाता जा रहा है! क्या भारत के साथ जारी टैरिफ युद्ध सिर्फ व्यापार तक सीमित है या फिर इसका अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक एजेंडा कुछ और है? इस लिहाज से प्रासंगिक सवाल है कि क्या ट्रंप सरकार भारत के साथ अपने संबंधों में तनाव बढ़ाकर एक बड़ी वैश्विक भूल कर रही है? या फिर यूरोपीय संघ के देशों, पाकिस्तान और चीन को पुनः पटाने के लिए वह अपने पुराने ढर्रे पर जा रहा है? समझा जाता है कि इन सभी सवालों के उत्तर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सितंबर अमेरिका यात्रा से मिल सकती है। क्योंकि उन्हें 21 वीं सदी का एशियाई बिस्मार्क समझा जाता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्सकी के मुताबिक, यहीं पर उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री मोदी से होगी, जैसा कि पीएम मोदी ने उन्हें आश्वस्त किया है। समझा जाता है कि भारतीय विदेश नीति की परिपक्वता से 'खूनी कारोबारी' के रूप में मशहूर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के युद्धोन्मादी एशियाई सपने धरे के धरे रह गए हैं।

ड्रोन से तेंदुए की तलाश

10 दिन बाद भी नहीं पकड़ जा सका, लोग घर से बाहर निकलने में डर रहे

भारत संवाद

प्रयागराज, अब खेत में जाने से पहले चार बार इधर-उधर देखना पड़ता है... बच्चों को अकेले बाहर नहीं भेजते। यह कहना है सुदनीपुर कला के किसान रामसजीवन का, जिनके गांव के पास पिछले हफ्ते तेंदुए को देखा गया था।10 दिन से यहां वन विभाग की टीम तेंदुए को तलाश रही है लेकिन उसे अभी तक पकड़ा नहीं जा सका है। ड्रोन से उसकी तलाश की जा रही है।5 अगस्त को फूलपुर रेंज के पश्चिमी कोटवां में गंगा किनारे एक पेड़ पर तेंदुए की पहली झलक मिली। तीन दिन तक उसका कोई अता-पता नहीं रहा, फिर शनिवार को मलखानपुर के चरी के खेत में और रविवार को सुदनीपुर कला में देखा गया। मंगलवार को हंडिया रेंज के चौरा बड़ेरा में बकरे पर हमला किया, और बुधवार को वह सैदाबाद के हाईवे किनारे नजर आया।हर बार वह जैसे-तैसे बच निकलने में कामयाब रहा।वन विभाग ने सुदनीपुर और चौरा बड़ेरा में कई पिंजरे लगाए, लेकिन तेंदुआ उनके आस-पास भी नहीं फटका। रात में थर्मल ड्रोन कैमरों से कांबिंग हुई, जंगल में हांका लगवाया गया, लेकिन हर बार तेंदुआ डाल-डाल, पात-पात वाली कहावत को सच कर गया। डिया रेंज के रेंजर लक्ष्मीकांत दुबे बताते हैं कि पिछले 24 घंटे से कोई लोकेशन नहीं मिली। आशंका है कि वह गंगा के कछार से मिजार्पुर या मध्य प्रदेश के जंगलों की ओर बढ़ गया है, लेकिन गश्त जारी है। गांवों में अब बच्चे अकेले खेलने बाहर नहीं जाते। महिलाएं खेत जाने से पहले समूह बनाती हैं।

व्यापारियों ने पूरे जोश मनाया आजादी का जश्न, मंत्री नन्दी ने किया ध्वजारोहण

लाखों लोगों की कुर्बानी के बाद मिली स्वतंत्रता : मंत्री नन्दी

भारत एक वैश्विक शक्ति के रूप में : नन्द गोपाल गुप्ता

भारत संवाद

प्रयागराज। शहर पश्चिम व्यापारी महासंघ, नमस्ते भारत परिवार व सुलेम सरायं व्यापार मंडल के संयुक्त तत्वाधान में विगत 26 वर्षों के भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस की ७९ वीं वर्षगांठ बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ध्वाजारोहण मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी द्वारा किया गया।राष्ट्र गीतो से ओत प्रोत इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रुप में शहर के जाने माने समाजसेवी , क्षेत्रीय पार्षदगण ,अधिवक्तागण, डाक्टर्स, व्यापारी नेताओं समेत व्यापारियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया , संस्था के सदस्यों ने कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी को शाल, पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के बीच कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने ७९ वें स्वंतत्रता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि लाखों लोगों की कुबार्नी के बाद स्वतंत्रता मिली, आज का दिन स्वाभिमान और सम्मान का दिन है। हम कुबार्नी देने वाले योध्दाओं को कभी भूला नहीं सकते। मंत्री नन्दी ने कहा कि आज भारत की सैन्य शक्ति को पूरा विश्व देख रहा है प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लगातार हर क्षेत्र में भारतवर्ष तरक्की कर रहा है यही कारण है कि भारत आज चौथी अर्थव्यवस्था बन चुका है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उ० प्र० बीमारू राज्य से उबर कर सामने आया है। यही कारण है कि प्रयागराज महाकुंभ में करीब 66 करोड़ लोगों ने पुण्य अर्जित किया। यहां आज कानून का राज है, गुण्डें, माफिया या प्रदेश छोड़ चुके है या दुनियां छोड़कर चले गए। नंदी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार थीम है कि देश की इकोनॉमी वन ट्रीलियन डालर हो। उन्होंने कहा कि विधानसभा 28 घंटे चली एक रिकॉर्ड बना 2047 का एक रोड मैप तैयार हुआ है। विगत 26 वर्षों से ऐसे कार्यक्रम का आयोजन कराने का सराहनीय कार्य कर रही है,संस्था बधाई की पात्र है। ध्वाजारोहण के पश्चात हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत सिविल डिफेंस के चीफ वार्डेन अन्नू भैया के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा का भी आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा में डीजे , पाइप बैंड , घोड़ा व भारत माता की जय , जय हिंद , वंदेमातरम जय घोष के सुलेम सरायं से उठकर जयंतीपुर , प्रीतमनगर होते हुए मुख्यालय पहुंच कर समाप्त हुई।

फास्ट ट्रैक

वारण्ट जारी होने के उपरान्त भी मा0न्यायालय के समक्ष हाजिर न होने पर थाना चुनार पुलिस द्वारा की गयी 82 सीआरपीसी के अन्तर्गत फरार होने की उद्घोषणा की कार्यवाही

भारत संवाद

सोमेन बर्मा' वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर के निर्देशन में जनपदीय पुलिस द्वारा अपराध नियन्त्रण एवं अपराधियों के विरूद्ध जनपद में समय-समय पर अभियान चलाकर कार्यवाही करने तथा मा0न्यायालय द्वारा जारी सम्मन/वारण्ट तथा कुर्की की उद्घोषणा आदि की कार्यवाही शत प्रतिशत करने हेतु निर्देशित किया गया है । इसके साथ ही पंजीकृत अभियोगों के सफल अभियोजन एवं अभियुक्तों को गिरफ्तार किये जाने हेतु नियमानुसार विधिक कार्यवाही भी करायी जा रही है । थाना चुनार जनपद मीरजापुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0-422/2017 धारा 498ए,323,504,506 भादवि व श डीपी एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्तगण 1. गुड्डू सिंह उर्फ आनंद पुत्र राजेंद्र सिंह व 2. अखिलेश कुमार सिंह पुत्र राजेंद्र सिंह निवासीगण ग्राम दीक्षितपुर थाना चुनार जनपद जनपद मीरजापुर के विरूद्ध मा0न्यायालय द्वारा निर्गत आदेश के क्रम में 82 जा0फौ0 की कार्यवाही की गई ।उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक राम प्रताप यादव मय पुलिस टीम द्वारा मुनादी करा कर, सार्वजनिक स्थान एवं अभियुक्त के घर के बाहर नोटिस चस्पा किया गया तथा आस-पास के लोगों को भी इस बारे में अवगत कराया गया ।यदि उपरोक्त अभियुक्त मा0न्यायालय के समक्ष उपस्थित नही होते हैं तो शीघ्र ही इनके विरूद्ध कुर्की की कार्यवाही की जायेगी ।

थाना को0देहात पुलिस द्वारा अवैध चाकू के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्माह्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध तथा अवैध शस्त्रों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये है । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 16.08.2025 को उप-निरीक्षक राकेश कुमार राय मय पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में भ्रमणशील होकर संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों के सघन चेकिंग की जा रही थी कि इस दौरान प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना को0देहात क्षेत्र से अभियुक्त करन कुमार मौर्या पुत्र राज कुमार मौर्या निवासी बिकना थाना को0देहात जनपद मीरजापुर को 01 अदद अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया ।उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना को0देहात पर मु0अ0सं0-345/2025 धारा 4/25 आयुध अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

मां कल्याणी देवी योग समिति द्वारा राष्ट्रीय महापर्व पन्द्रह अगस्त पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन

भारत संवाद

प्रयागराज।मां कल्याणी देवी योग समिति द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें योग समिति की महिलाओं के साथ क्षेत्रीय महिलाओं उक्त कार्यक्रम में (शिरकत की) शामिल हुई कार्यक्रम में दैनिक योग के उपरांत, ध्वजारोहण 7: 00 बजे श्रीमती सीता शर्मा वरिष्ठ योग प्रशिक्षिका द्वारा किया गया राष्ट्रीय गान के साथ राष्ट्रभक्ति के कुछ गीत भी उक्त कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा गाए गए तथा मिष्ठान व जलपान की भी व्यवस्था मां कल्याणी देवी योग समिति द्वारा रखी गई थी कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ योग प्रशिक्षिका सीता शर्मा द्वारा की गई कार्यक्रम का संचालन सहयोग प्रशिक्षिका श्रीमती सावित्री द्वारा किया गया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सोनी खन्ना, गीता साहू, सोनी मालवीय, रजनी टंडन, वंदना अग्रवाल, वीणा सारस्वत (अम्माजी), राधिका सारस्वत, शालिनी धवन, रूबी, मीनू मेहरोत्रा,, पुष्पा केसरवानी, सोनाली शर्मा, मुस्कान शर्मा, श्रीमती अभिलाषा सिंह प्रमुख रूप से गणवेश में रहकर कार्यक्रम में चार चांद लगाया कार्यक्रम में अपने वक्तव्य में सीता शर्मा जी ने महिलाओं की भूमिका आजादी की लड़ाई अग्रणी बताया।और कहा कि आज वर्तमान समाज विशेष कर हिंदू समाज की महिलाओं की अहम भूमिका समाज निर्माण के संदर्भ में हो गई है वर्तमान सामाजिक परिवेश को देखते हुए अपने भारतीय संस्कृति सभ्यता आचार विचार सदाचार को अपने समाज में अत्यधिक प्रवाहित करने की आवश्यकता है सांझा चूल्हा पुनः समाज में स्थापित करने हेतु हिंदू परिवारों को प्रेरित करना परिवार में एक दूसरे का सहयोग करते हुए अपने आने वाली पीढ़ी को भी प्रेरित करना कि अपने सभी पारिवारिक रिश्तों को बरकरार रखें चाचा ताऊ मौसी बच्चों के बच्चों के भी हो इसलिए समाज को उस और भी ध्यान देने की आवश्यकता है, रोजी रोजगार व्यापार इन सब पर स्वदेशी स्वावलंबन को बढ़ावा दिया जाए बच्चों को काबिल बनाकर राष्ट्र के कार्य में संलग्न किया जाए थोड़ा अधिक धन के लालच में दूसरे देश की सेवा में ना लगाया जाए तभी आजादी के शुभ पावन अवसर पर सच्ची मायने में भारत माता की स्तुति होगी।

इलाहाबाद न्यूज रिपोर्टर्स क्लब (प्रेस क्लब) ने इस बार भी किया पत्रकार परिवार मिलन समारोह का आयोजन

समारोह के मुख्य अतिथि यूपी सरकार के औद्योगिक विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी थे।

भारत संवाद

प्रयागराज। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर संगम नगरी प्रयागराज में पत्रकारों की सबसे बड़ी संस्था इलाहाबाद न्यूज रिपोर्टर्स क्लब (प्रेस क्लब) ने इस बार भी पत्रकार परिवार मिलन समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम केपी कम्युनिटी सेंटर में आयोजित किया गया। मिलन समारोह में प्रयागराज के विभिन्न मीडिया संस्थानों से जुड़े हुए मीडिया कर्मियों व उनके परिवार के तकरीबन एक हजार सदस्य शामिल हुए। समारोह के मुख्य अतिथि यूपी सरकार के औद्योगिक विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी थे। इस मौके पर मीडिया कर्मियों के परिजनों के लिए पिछले हफ्ते आयोजित की गई चित्रकला - मेहंदी और रंगोली प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया और साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व उपहार दिए गए। समारोह में मीडिया कर्मियों, उनके परिजनों व कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। इस मौके पर रात्रि भोज का भी आयोजन हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कोरोना काल से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक मीडियाकर्मियों द्वारा किए गए कार्यों की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि देश के विकास और लोकतंत्र की मजबूती में मीडिया का बेहद अहम योगदान है। उनके मुताबिक मीडियाकर्मियों के साथ ही उनके परिजनों की भी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मंत्री नंदी ने कहा कि परिवार को जोड़कर रखना किसी यज्ञ की तरह होता है। उन्होंने मीडिया कर्मियों के परिवार वालों को आपस में जोड़ने और उनके लिए मिलन समारोह आयोजित करने पर इलाहाबाद न्यूज रिपोर्टर्स क्लब के अध्यक्ष अशोक चतुर्वेदी, पूर्व अध्यक्ष रतन कुमार दीक्षित और सचिव मुनेंद्र वाजपेई की सराहना की। उन्होंने कहा कि दूसरे कार्यों से जुड़े हुए लोगों को भी इसी तरह से परिवार वालों को जोड़ने के लिए पहल करनी चाहिए और समारोह आयोजित करना चाहिए। मंत्री नंदी ने इस मौके पर कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली उनकी सरकार भी लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले मीडिया कर्मियों को हर संभव सहायता व उचित सम्मान देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस समारोह में इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश पांडेय, मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉक्टर एसपी सिंह, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज के प्रबंधक डॉक्टर पंकज जायसवाल, जाने माने चिकित्सक डॉ० आलोक मिश्रा, डा० केडी त्रिपाठी, बसपा नेता चौधरी सईद अहमद, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज की प्रवक्ता डॉ० रंजना त्रिपाठी सहित अन्य लोग विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद थे।

विधिककुंभ यूथ कन्वेंशन प्रतियोगिता हेतु पंजीकरण हुआ शुरू

इविवि में आयोजित किया गया अभिविन्यास कार्यक्रम

भारत संवाद

लीगल चैरियट तथा शंख प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में आगामी माह की 20 तथा 21 सितंबर को आयोजित होने वाले विधिककुंभ यूथ कन्वेंशन का पंजीकरण शुरू हो गया है, कार्यक्रम के विषय में परिचित कराने हेतु आयोजक मण्डल के सदस्यों द्वारा इलाहाबाद विश्वविद्यालय के लॉन में ही विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के विषय में बताया।विधिक कुंभ यूथ कन्वेंशन, प्रयागराज, युवा संसद और आदर्श संयुक्त राष्ट्र (टवठ) को एक मंच पर लाकर युवाओं को बहस, कूटनीति, नीति-निर्माण और विधायी प्रक्रियाओं में भागीदारी का अवसर देगा। यह आयोजन लोकतांत्रिक एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के कार्यप्रणालियों का अनुकरण कर प्रतिभागियों में नेतृत्व, टीमवर्क, शोध, संचार और वैश्विक चेतना जैसे कौशल विकसित करता है, जिससे वे भविष्य के जिम्मेदार और जागरूक नेतृत्वकर्ता एवं नागरिक बने सकें।लीगल चेरियट एवं शंख इनीशिएटिव के संयुक्त तत्वाधान में यह कार्यक्रम आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में 500 से अधिक विद्यार्थी भारत के विभिन्न राज्यों से प्रतिभाग करेंगे। इस विधिक कुंभ यूथ कन्वेंशन को यूथ पार्लियामेंट का स्वरूप दिया गया है तथा इस कन्वेंशन की खास बात यह है कि जो भी छात्र इसमें विजयी होंगे उनके द्वारा बनाई गई नीतियों को बकायदा प्रकाशित कराया जाएगा। इस यूथ कन्वेंशन में आठ कमेटियां रहेगी जिनमें लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा, यूएन-जीए, यूएन- एचआरसी, एआईएसएम, इंडियन मीडिया कॉलक्लेव तथा अंतरराष्ट्रीय प्रेस की रहेगी तथा इनमें तत्कालीन मुद्दों जिन्हें किसी भी यूथ पार्लियामेंट में नहीं रखा गया है उन पर चर्चा की जाएगी।इस यूथ कन्वेंशन में भाग लेने हेतु न्यूनतम हाई स्कूल पास होना अनिवार्य है, उसके बाद किसी भी पाठ्यक्रम तथा कक्षा के छात्र इसमें प्रतिभाग कर सकते हैं।

स्व.चंद्रशेखर शुक्ल को मरणोपरांत महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार

भारत संवाद / आदेश मिश्र

मुंबई , लोकाधिकार सेवा समिति के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री रामलीला उत्सव समिति पार्कसाईट विक्रोली के पूर्व अध्यक्ष/ विख्यात लोकप्रिय,जनप्रिय समाजसेवी स्व. चंद्रशेखर शुक्ल को मरणोपरांत शनिवार को घाटकोपर वेस्ट के विधायक राम कदम के द्वारा घाटकोपर में भारत की सबसे बड़ी दहीहंडी उत्सव में महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार, विधायक प्रवीण दरेकर मौजूद रहे। यह महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार स्व.श्री शुक्ल के बड़े सुपुत्र श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल को देकर सम्मानित किया गया। दहीहंडी में नगरसेवक सूर्यकांत गवली, निल किरीट सोमैया,चंद्रकांत मालकर, अशोक दुबे, अरुण एखंडे, अनिल निर्मले,विजय पुराणिक,गणेश भगत, राजन बोराटे,पूनम नायर बोराटे, पत्रकार दयाशंकर पांडेय, टीवी9 न्यूज के आनंद पांडेय, धर्मेंद्र दुबे, राहुल पांडेय,और सुरेश सोनी, मनोज सिंह,संतोष गांजले, जे पी मिश्रा, अवधेश तिवारी, आदेश मिश्र,रामतीरथ शर्मा सहित कई इलेक्ट्रॉनी मीडिया प्रिंट मीडिया के पत्रकार बंधु, जनप्रतिनिधि तथा तमाम गोविंदा पथक मौजूद रहे।

काकोरी घटना के बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर, स्वतंत्रता सेनानी परिवार को सम्मानित किया गया

भारत संवाद

लखनऊ।आज दिनांक 15.08.2025 को महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त प्रयागराज सुश्री रेनू पी छिब्बर एवं महानिरीक्षक आर पी एफ अकादमी, लखनऊ श्री बी वी राव एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त प्रयागराज श्री विजय कुमार पंडित के निदेर्शानुसार काकोरी स्टेशन, उत्तर रेलवे पर श्री विवेक वर्मा , सहायक सुरक्षा आयुक्त कानपुर एवं श्री बासुकी नाथ, सहायक सुरक्षा आयुक्त, अकादमी लखनऊ के नेतृत्व में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम काकोरी घटना के बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं स्वतंत्रता सेनानी की परिवार को सम्मानित किया गया।इसके बाद जगजीवन राम रेलवे सुरक्षा बल अकादमी लखनऊ के द्वारा बैंड का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। जिसमें देशभक्ति गीतों की मनोहारी धुनें प्रस्तुत की गई।इस दौरान विशिष्ट अतिथियों के साथ साथ सभी उपस्थित बच्चों एवं शिक्षकों को सम्मानित किया गए। उपरोक्त पूरे कार्यक्रम का संचालन श्री एस के वर्मा , प्रभारी निरीक्षक जी एम सी कानपुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री विवेक वर्मा ने बताया कि इस ऐतिहासिक स्थल पर स्वतंत्रता आंदोलन के वीर सेनानियों ने अपना योगदान देकर अपना बलिदान दिया था। उन सभी की याद में रेलवे बोर्ड द्वारा ये कार्यक्रम को आयोजित करने का जिम्मेवारी रेलवे सुरक्षा बल प्रयागराज एवं जगजीवन राम आर पी एफ अकादमी, लखनऊ को दी गई थी।इसमें माननीय प्रधानमंत्री जी के नया भारत का प्रतीक एक सेल्फी प्वाइंट को भी रखा गया है। आज इस कार्यक्रम की सराहना सभी उपस्थित अतिथियों एवं स्थानीय जनता द्वारा की गई है।

आह्वान

परमार्थ निकेतन में धूमधाम से मनायी श्री कृष्ण जन्माष्टमी

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर परमार्थ निकेतन से प्रेम, धर्म और सत्य के पथ पर चलने का आह्वान

- स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और साध्वी भगवती सरस्वती जी ने अमेरिका की धरती से दिया श्रीकृष्ण जी के शाश्वत जीवन मूल्यों का संदेश
- अमेरिका के लुइसविल, केंटकी में स्थित हिंदू टेम्पल ऑफ केंटकी में भारतीय मूल के प्रवासी समुदाय के साथ मनायी श्री कृष्ण जन्माष्टमी

भारत संवाद

ऋषिकेश/अमेरिका। परमार्थ निकेतन में बड़ी धूमधाम से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनायी। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने अमेरिका की धरती से देशवासियों को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएँ दी। उन्होंने अमेरिका के लुइसविल, केंटकी में स्थित हिंदू टेम्पल ऑफ केंटकी में भारतीय मूल के प्रवासी समुदाय के साथ श्री कृष्ण जन्माष्टमी मनायी। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने संदेश दिया कि भगवान श्रीकृष्ण केवल एक ऐतिहासिक या पौराणिक चरित्र नहीं, बल्कि सनातन जीवन मूल्यों के शाश्वत प्रतीक हैं, जिनकी शिक्षाएँ आज भी विश्व को मार्गदर्शन प्रदान कर रही हैं।श्रीकृष्ण का जीवन, असीम प्रेम, धर्म की स्थापना और मानवता की रक्षा का अनुपम उदाहरण है।उन्होंने अपने सुदर्शन चक्र से अधर्म का अंत किया, गीताजी के अमर उपदेश से मानवता को कर्तव्य, भक्ति और ज्ञान का मार्ग दिखाया। स्वयं कारागार में जन्म लेकर भी समस्त मानवता को कंस रूपी दुबुद्धि से मुक्त कराया। भगवान श्रीकृष्ण का दर्शन केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए है। उनका संदेश सर्वभूतहिते रतः सभी प्राणियों के कल्याण में रत रहना।हर जीव के सुख, सुरक्षा और सम्मान के लिए कार्य करना। यह दृष्टिकोण हमें सीमाओं, जातियों और मतभेदों से ऊपर उठकर वसुधैव कुटुम्बकम्की भावना को जीने का संदेश देता है।उन्होंने कहा कि आज के समय में जब दुनिया में भौतिकता, अहंकार, हिंसा और स्वार्थ की प्रवृत्तियाँ बढ़ रही हैं, तब श्रीकृष्ण जी का संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। गीता में उन्होंने जो कर्मयोग, भक्तियोग और ज्ञानयोग का समन्वित मार्ग बताया, वह हर युग, हर समाज और हर व्यक्ति के लिए कल्याणकारी है। श्रीमद्भगवद्गीता का प्रत्येक श्लोक जीवन के हर पहलू में मार्गदर्शन देता है। श्रीकृष्ण जी ने अर्जुन को युद्धभूमि में यह शिक्षा दी कि परिस्थितियाँ कैसी भी हों, हमें अपने धर्म और कर्तव्य का पालन निडर होकर करना चाहिए, परन्तु फल की आसक्ति से मुक्त रहना चाहिए। यह शिक्षा न केवल महाभारत के समय की थी, बल्कि आज के तनावपूर्ण, प्रतिस्पर्धी और अनिश्चित समय में भी उतनी ही आवश्यक है।स्वामी जी ने कहा कि आज समाज को कंस रूपी दुबुद्धि, लोभ, ईर्ष्या, हिंसा और अनैतिकता से मुक्ति दिलाने के लिए हर व्यक्ति को अपने भीतर श्रीकृष्ण का स्वरूप जागृत करना होगा। जो प्रेम, करुणा, धैर्य, न्याय और धर्म का स्वरूप हो।परमार्थ निकेतन में जन्माष्टमी का पर्व भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। आश्रम में सुंदर झांकियाँ, कीर्तन, भजन संध्या और संगीत की मधुर ध्वनि से वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने बाल गोपाल के जन्म की प्रतीकात्मक झूला कर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का उल्लासपूर्ण स्वागत किया। इस जन्माष्टमी के अवसर पर हमारे जीवन में श्रीकृष्ण का ऐसा स्वरूप उदय हो, जो अज्ञान का नाश कर प्रेम, करुणा और धर्म का मार्ग प्रशस्त करे। जब हर हृदय में प्रेम और हर कर्म में धर्म होगा, तब सच्चे अर्थों में श्रीकृष्ण जन्म का उत्सव होगा।

छात्रा को हॉस्टल से बाहर करने पर हंगामा

प्रयागराज के केपी गर्ल्स हॉस्टल में एक महीने का किराया न देने पर निकाल रहे बाहर, पहुंची पुलिस

भारत संवाद

प्रयागराज, केपी गर्ल्स हॉस्टल में छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन किया। दरअसल, यहां पर एक छात्रा ने एक महीने का किराया नहीं जमा किया था जिसके चलते उसे बाहर निकालने का दबाव बनाया जाने लगा। छात्रा निवेदिता ने इसकी सूचना संबंधित थाना को दे दी। पुलिस तो मौके पर पहुंची लेकिन उसके बावजूद वह छात्रा की मदद नहीं कर सकी। आरोप है, कि महिला सिपाही ने एक छात्रा का मोबाइल छीन लिया और वीडियो आदि डिलीट कर दिए। इससे छात्राएं और नाराज हो गईं। छात्रा निवेदिता सीएमपी कॉलेज में पढ़ाई करती है। वह केपी ट्रस्ट की ओर से संचालित केपी गर्ल्स हॉस्टल में रहती है। उसने बताया, वह लगातार फीस जमा कर देती है लेकिन पारिवारिक दिक्कतों के चलते वह एक महीने का फीस नहीं जमा कर पाई। अब उसे बाहर निकालने के लिए दबाव बनाया जा रहा है।

सड़क के बीचों बीच खड्डा दे रहा हादसे को निमंत्रण प्रशासन, पीडब्ल्यूडी विभाग बेखबर

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़/इगलास। कस्बे के बीच चौराहे पर सड़क के बीचों-बीच डिवाइडर की जगह बने गहरे गड्ढे लोगों के लिए जानलेवा खतरा बने हुए हैं। बारिश के दिनों में इन गड्ढों में पानी भर जाने से यह पूरी तरह दिखाई नहीं देते, जिससे बाइक, स्कूटी आदि का पहिया फिसलने पर बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पंचायत को कई बार ध्यान दिलाने के बावजूद लोक निर्माण विभाग (PWD) ने मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया है। गड्ढों के कारण न केवल वाहन चालकों को परेशानी हो रही है, बल्कि पैदल राहगीरों के लिए भी यह स्थान असुरक्षित बन गया है।आश्चर्य की बात यह है कि प्रशासनिक अधिकारी भी आए दिन इसी मार्ग से गुजरते हैं, लेकिन उनकी निगाह में यह गड्ढे अब तक नहीं आए, मानो उन्होंने भी आंखों पर पट्टी बांध रखी हो।नगरनिवासियों ने ढहऊ और प्रशासन से तुरंत इन गड्ढों की मरम्मत कर सड़क को सुरक्षित बनाने की मांग की है, जिससे होने वाली अप्रिय घटना से बचा जा सके। वहीं सड़क पर बने गड्ढों की वजह से बारिश के दिनों में पानी भरने से रोड़ से निकलने वाहन से गंदा पानी यात्रियों के ऊपर पड़ जाता है जिससे राहगीरों की आपस में मारपीट होती रहती है विभाग जाने क्यों इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है

राष्ट्र निर्माण और स्वाभिमान का प्रतीक है राष्ट्रध्वज: रमेश अरोड़ा

मण्डलायुक्त द्वारा वरिष्ठ व्यापारी व समाजसेवी शीतल टण्डन को किया गया सम्मानित

भारत संवाद

सहारनपुर । स्वाधीनता दिवस व हर घर तिरंगा 2025 के कार्यक्रमों की श्रृंखला में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल जनपद सहारनपुर इकाई द्वारा गत 9 अगस्त को भारत छोडो.आंदोलन की वर्षगांठ से प्रारंभ किये गये विभिन्न कार्यक्रमों की अंतिम श्रृंखला में गत दिवस पूरे जनपद में व्यापारियों द्वारा हर्षोल्लास के साथ स्वाधीनता दिवस मनाया गया जिसके अंतर्गत पूरे जनपद के विभिन्न व्यापारिक एसोसिएशन, व्यापार मण्डल व विभिन्न संगठनों के माध्यम से बडी संख्या में व्यापारी

प्रतिनिधियों द्वारा ध्वजारोहण, तिरंगा यात्रा, गोष्ठी, रूटमार्च, राजकीय इंटर कालेज में छात्र-छात्राओं का कार्यक्रम, प्रभातफेरी, घंटाघर पर सामूहिक राष्ट्रगान, हर घर तिरंगा अभियान में जिलाधिकारी मनीष बंसल को उनके कार्यालय में व्यापारी प्रतिनिधियों द्वारा तिरंगा भेंट किया गया, पुलिस लाईन में स्वतंत्रता सेनानियों व उनके परिजनों को सम्मानित तथा जरूरतमंदों को फल व भोजन वितरित करके व मानव मंदिर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर इस राष्ट्रीय पर्व पर अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। स्वाधीनता दिवस के कार्यक्रमों की श्रृंखला में मण्डल मुख्यालय कार्यालय पर मण्डलायुक्त अटल कुमार राय द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम के पश्चात सहारनपुर मण्डल के कुछ प्रबुद्ध नागरिकों को जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ कार्य किया है, को सम्मानित किया।इस श्रृंखला में व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष तथा जनपद के वरिष्ठ समाजसेवी शीतल टण्डन को उनके 50 वर्ष से भी अधिक समय से व्यापारिक व राष्ट्रीय एकता व सदभावना तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में निरन्तर सक्रियता के साथ समाजसेवा के संदर्भ में विशेषकर आठ वर्ष से भूख के खिलाफ अभियान में चल रही प्रभुजी की रसोई की सेवा के लिए भी उनको सम्मानित करते हुए शॉल, तिरंगा वस्त्र व प्रशस्ति पत्र भेंट किया। जनपद के व्यापारियों द्वारा मण्डलायुक्त द्वारा शीतल टण्डन को सम्मानित किये जाने पर हर्ष व्यक्त किया गया।व्यापार मण्डल के जिला महामंत्री रमेश अरोडा ने कहा कि राष्ट्र निर्माण तिरंगा हमारे राष्ट्र निर्माण व स्वाभिमान का प्रतीक है।हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा आज देश के प्रत्येक नागरिक की आत्मा की आवाज है और हर घर तिरंगा तो मेरे घर भी तिरंगा यह देशभक्ति का अनूठा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि तिरंगा एक महज खादी, पोलिस्टर या किसी कागज से बना कुछ समय के लिए फहराने वाला तिरंगा नही होता बल्कि यह अभियान देश के हर घर तिरंगे के तीनों के भावों को स्थायी रूप से आत्मसात करेगा। झंडे का केसरिया रंग हर घर की ताकत और देशवासियों के साहस का प्रतीक बनेगा और सफेद शांति का संदेश बिखरेगा।व्यापक स्तर पर समृद्धि और कल्याण की मनोरम हरा रंग हरियाली दुनिया को बरबस आकर्षित करेगा। यही तिरंगे के रंगों का असली भाव व संदेश है।

फास्ट ट्रैक

स्वर्गीय माता सेवक उपाध्याय सच्चे जन सेवक थे - सांसद सीमा द्विवेदी

भारत संवाद / आदेश मिश्र

जौनपुर , स्वर्गीय पंडित माता सेवक उपाध्याय पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष जौनपुर की ग्यारहवीं पुण्यतिथि उनके पैतृक आवास भुइला पर सादगी के साथ मनाई गई। श्रद्धांजलि सभा के अवसर पर क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों ने श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर ज्येष्ठ पुत्र सुधाकर उपाध्याय पूर्व प्रमुख सिकरारा ने उपस्थित जनों का स्वागत किया। आभार ज्ञापन संतोष उपाध्याय द्वारा किया है। सीमा द्विवेदी सांसद राज्य सभा ने कहा कि पूज्यनीय पिताजी के पद चिन्हों पर चलकर ही समाज के अंतिम व्यक्ति को खुशहाल बनाया जा सकता है और राष्ट्र तभी खुशहाल होगा जब समाज के अंतिम पायदान का विकास होगा। माता सेवक उपाध्याय फाउंडेशन की ट्रस्टी समरथी देवी ने पुण्यात्मा के पद चिन्हों पर चलने का संकल्प दोहराया और सुधा मिश्रा तथा सुशील उपाध्याय ने पिताजी को अपना आदर्श बताया। कार्यक्रम में सत्यप्रकाश पांडेय, लल्लन उपाध्याय, लालता प्रसाद यादव, अमरजीत सिंह, महेंद्र मिश्रा, राजेश्वरी सिंह, अमित सिंह, शरद सिंह, घनश्याम उपाध्याय, जयंत सिंह, लक्ष्मीनारायण सहित गणमान्य और क्षेत्र वासी उपस्थित रहे।

मदरसा जामिया रहमानिया दारूल किरात तैय्यबा में धूमधाम से मनाया गया 79वां स्वाधीनता दिवस

भारत संवाद

सहारनपुर। बेहट रोड स्थित मदरसा जामिया रहमानिया दारूल किरात तैय्यबा में योमे आजादी का पर्व 15 अगस्त उमंग व उल्लास के साथ मनाया गया।इस अवसर पर मदरसा परिसर में कारी फजलुर्रहमान ने ध्वजारोहण कर तिरंगें की सलामी ली। इस अवसर पर कारी फजलुर्रहमान ने कहा कि 15 अगस्त हमें देश के उन लाखों करोड़ों शहीदों की याद दिलाता है, जिन्होंने अपने लहू से सींचकर यह आजादी हमें उपहार में है। इस अवसर पर उन्होंने मुल्क के लिए अमन और सलामती और भाईचारे, खुशहाली की दुआ मांगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से हाफीज रहमान, हाफीज आलम इनाम, हाफीज मकबूल, मसरूर, नसीम अहमद, मिस्त्री शाहनवाज, मौ.अहमद, मौ.कामिल, मौ.आकिल, भूरा, शाहदाव, मुरसलीन, शुजाउद्दीन, अकलीम, अरशफ आदि मौजूद रहे।

जनता इंटर कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

भारत संवाद

सहारनपुर(बेहट)। जनता इंटर कॉलेज में 79वें स्वतंत्रता दिवस पर कॉलेज के प्रबंधक अजय जैन ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने मे शिक्षक अरुण कुमार गौतम के निर्देशन में मनमोहक व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एसडीएम बेहट मानवेंद्र सिंह, प्रबंध समिति के अध्यक्ष बृजेश जैन, प्रधानाचार्य डॉक्टर सुभाष चंद्र, भाजपा के जिला कोषाध्यक्ष अनिल सिंघल, व्यापारी व भाजपा नेता राकेश गाबा, वशिष्ठ गुप्ता, हरपाल सिंह, शिव कुमार, ऋषिपाल आदि ने देश की आजादी में अपनी कुबार्नी देने वाले वीर शहीदों को याद किया और उन्होंने बताया कि किस तरह से हमारे पूर्वजों ने अंग्रेजों के चंगुल से देश को आजाद कराया इस अवसर पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष बृजेश जैन व प्रधानाचार्य डॉ सुभाष चंद्र ने एसडीएम मानवेंद्र सिंह को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा छात्राओं को जागरूकता के तहत सरकारी योजनाओं के बताये गए लाभ

भारत संवाद / अमित अग्रवाल

अलीगढ़ -इगलास क्षेत्र के गांव रूसतम पुर गोटना में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मोहन लाल कन्या जूनियर हाई स्कूल में 15 अगस्त के उपलक्ष्य में एक शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें छात्राओं को लड़कियों के आधार , बाल मजदूरी,व बच्चों पर हो रहे शोषण से जागरूक रहने के लिए कहा गया। अगर किसी भी परेशानी में फसते ही सरकारी हेल्पलाइन नंबर 1098 पर तत्काल सूचना देने की बात कही साथ ही छात्राओं के हित में चलाई जा रही बिभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी। वही पी.एल. बी. रिचा गुप्ता द्वारा छात्राओं को वन स्टॉप सेंटर अलीगढ़ की सहायता की जानकारी दी गयी साथ ही कोई भी परेशानी होने पर सरकारी नंबर 1098 हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की और से बच्चों को आश्वाशन दिया गया की आपके साथ हमारी पूरी टीम है अगर आपके साथ किसी भी प्रकार का शोषण होता है और कोई कानूनी कार्यवाही नहीं होती है तो आप हमसे संपर्क कर सकते है वही पूजा चौहान ने जुबिनाइल जस्टिस बोर्ड के बारे में भी जानकारी दी और जो कि जुबिनाइल जेल आगरा में स्थित है जो सिर्फ नाबालिग बच्चों के लिए बनाई गयी है पोस्को जैसी गंभीर धाराओं की जानकारी भी दी गयी साथ ही रानी लक्ष्मी बाई योजना की महत्वपूर्ण जानकारीयाँ दी गयी और बताया गया कि कही भी आपको कोई भी परेशानी आती है तो वहाँ पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आपके साथ खड़ा है इस अवसर पर प्रबंधक - नागेंद्र कुमार , मोहन लाल सेवा समिति रुस्तमपुर गौतना इगलास अलीगढ़ ने समस्त पी. एल. बी. कर्मियों का आभार व्यक्त किया एवं संचालक - कुलदीप कुमार ने आभार व्यक्त करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री नितिन श्रीवास्तव जी द्वारा चलाये जा रहे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम के सभी पी. एल. बी पूजा चौहान, रिचा गुप्ता, अभिषेक, नायक, सत्यप्रकाश गोयल, योगेंद्र कुमार आदि की सराहना।

मंगलायतन विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 79 वां स्वतंत्रता दिवस

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय परिसर आज देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया, जब 79 वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. पी.के. दशोरा द्वारा ध्वजारोहण से हुआ। राष्ट्रगान के साथ ही पूरे परिसर में देशभक्ति का जोश गूंज उठा।सभी ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले बलिदानियों को नमन किया।कुलपति प्रो. दशोरा ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों का बलिदान हमें यह याद दिलाता है कि देश की आजादी केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि हमारे विचारों, विश्वासों और कर्मों की आजादी भी है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि आने वाले 20-25 वर्ष उनके जीवन के साथ-साथ देश के भविष्य को भी आकार देंगे। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की भूमिका निर्णायक होगी। मंगलायतन विश्वविद्यालय राष्ट्रहित की भावना के साथ विद्यार्थियों और कर्मचारियों को नवकौशल, शोध, नवाचार और संवैधानिक मूल्यों से सुसज्जित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह और परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा ने भी स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता हमारा गर्व है और इसका सम्मान तभी होगा जब हम अपने हर कार्य को राष्ट्रहित में और ईमानदारी से करें। कार्यक्रम में एनएसएस समन्वयक डा. पूनम रानी के नेतृत्व में स्वयंसेवकों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से वातावरण को भावनाओं और उत्साह से भर दिया। एनसीसी कैडेट्स ने अनुशासित परेड से सबका मन मोह लिया। इस मौके पर उत्कृष्ट सेवाओं के लिए विभिन्न विभागों, शिक्षकों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रो. राजीव शर्मा, प्रो. रविकांत, गोपाल राजपूत सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक, छात्र और कर्मचारी मौजूद रहे। आभार प्रदर्शन एंजेला व संचालन दीपिका बांदिल ने किया।

नाजरेथ अस्पताल में स्वतंत्रता दिवस का भव्य आयोजन

नवीकृत एक्स-रे विभाग का उद्घाटन

भारत संवाद

प्रयागराज,नाजरेथ अस्पताल में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 8:30 बजे हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में माननीय लुईस मस्करेन्हास, बिशप, इलाहाबाद धर्मप्रांत, उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में दुबई से श्री जॉन बैपटिस्ट पेइस तथा श्रीमती रेश्मा कुटिन्हा समाराहे में शामिल हुए। मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण के पश्चात नाजरेथ अस्पताल के नवीकृत एक्स-रे विभाग का उद्घाटन कर लोकार्पित किया। अस्पताल के चिकित्सक, स्टाफ तथा छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत नर्सिंग कॉलेज के गायन मण्डली द्वारा प्रार्थना गीत से हुई। इसके बाद नर्सिंग अधीक्षिका सिस्टर मॉन्सी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. अशोक अग्रवाल एवं फादर इसिडोर ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया गया और राष्ट्रगान गाया गया। गायन मण्डली ने देशभक्ति गीतः वतन की रक्षा करेंगे हम प्रस्तुत कर माहौल को देशभक्ति की भावना से भर दिया। अपने संबोधन में बिशप मस्करेन्हास ने कहा, हमारा देश तभी सच्ची स्वतंत्रता का अनुभव करेगा, जब हम धर्म के आधार पर विभाजन करना बदं करगें आरै मानवता की भावना से लागे ों की सेवा करेंगे। आइए, हम सब मिलकर अपने राष्ट्र की प्रगति में योगदान दें। फादर विपिन आरै डॉ. आर.पी. शुक्ला ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेटं किया। सिस्टर रोशनी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन जलपान के साथ हुआ। यह आयोजन न केवल देशभक्ति का सदेंश देता है, बल्कि अस्पताल परिवार की एकता और सेवा भावना को भी दशार्ता है।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गांव फूलपुर में आदर्श बल वाटिका का हुआ शुभारंभ

भारत संवाद / योगेश शर्मा

79 वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गांव फूलपुर में बाल वाटिका का फीता काटकर शुभारंभ किया गया जिस पर एक गिलास विधायक राजकुमार सहयोग के द्वारा सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया तदुपरांत प्राथमिक विद्यालय फूलपुर एवं कंपोजिट विद्यालय खेड़िया गुरुदेव की छात्राओ ने मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की इसके पश्चात विधायक इगलास राजकुमार सहयोगी द्वारा आदर्श बल वाटिका की मूल अवधारणा कर उपस्थित जन समूह को अवगत कराते हुए सरकार की योजनाओं की जानकारी दी खंड शिक्षा अधिकारी लालबाबू द्विवेदी ने विधायक राजकुमार सहयोगी का स्वागत किया वही विधायक ने बालबाटिका का निरिक्षण किया इस मौके पर सी डी पी ओ सहित ग्राम सेक्रेटरीफूलपुर, ग्राम प्रधान सहित, सेकड़ो गणमान्य नागरिक मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन नितेंद्र सिंह अध्यापक ने किया महिलाओ मे आशा कुंतल सहायक अध्यापक, पार्थीसहायक अध्यापक मौजूद रही

हरिया की नगरिया गांव में गंदगी से हाल बेहाल, ग्रामीणों ने जताया रोष

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़ इगलास ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले गांव हरिया की नगरिया में गंदगी की समस्या ने विकराल रूप ले लिया है। खासकर सरकारी स्कूल के पास का रास्ता गंदगी से अटा पड़ा है, जिससे राहगीरों और स्कूली बच्चों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार ग्राम प्रधान से सफाई की मांग की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जगह-जगह जमा गंदगी से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है और डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है स्थानीय निवासी बताते हैं कि पिछले एक वर्ष से किसी भी सफाईकर्मी ने इस रास्ते पर झाड़ू तक नहीं लगाई। इससे गांववासियों में आक्रोश है। लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सफाई व्यवस्था बहाल करने की मांग की है अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी और ग्राम पंचायत इस समस्या का समाधान कब तक करते हैं

आईआईए ने हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

भारत संवाद

सहारनपुर। आईआईए कार्यालय में 79वॉ स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाते हुए चैप्टर चेयरमैन गौरव चोपड़ा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामजी सुनेजा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजीव अरोड़ा, प्रमोद सडाना, आर.के.धवन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष परविन्दर सिंह, चैप्टर सचिव कुशल शर्मा एवं कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र मोहन कालड़ा आदि द्वारा संयुक्त रूप से ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गयी।चैप्टर चेयरमैन गौरव चोपड़ा ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए भारत के गौरवशाली इतिहास और निरंतर तेजी से प्रगति गाथा के बारें में बताया। आज का दिन अपने स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों, वीर जवानों को याद करने व उनके जज्बे और शहादत को नमन करने का है जिन्होंने अपने जीवन को देश की आजादी के लिए न्यौछावर कर दिया है हमारे महापुरूषों ने जो सपना देखा था कि भारत को सोने की चिड़िया एवं विश्व गुरु बनाने का उसे हमें पूरा करना चाहिए, मजबूत देश वही है जो आर्थिक व जिसकी सीमा सुरक्षित है। हम अपनी सेना के जवानों के प्रति कृतज्ञ है जो अपनी जान की परवाह किए बगैर देश की सीमाओं की सुरक्षा करने में डटे हुए हैं। मुझे बहुत खुशी है कि हम उधमी आत्मनिर्भर की ओर अग्रसर है और आत्म सम्मान के साथ अपनी जीविका उपार्जन करते हुए अपने से जुड़े लोगों के परिवारों की जीविका चला रहे हैं साथ ही देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान हम उधमी दें रहें हैं हम उद्यमियों का कर्तव्य है कि हम अपने देश को आर्थिक रूप से ओर अधिक मजबूत बनाएं और स्वाबलंबी बनकर कार्य करें और उद्यमिता को बढ़ातें हुए देश को ऊपर लेकर जाएं। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामजी सुनेजा ने कहा कि आज के दिन को हम सभी भारतवासी पूरे देश में राष्ट्रीय त्योहार के रूप में बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाते है। आजादी मिलने के बाद 79 वर्षो में हमने बड़ी उपलब्धियां हासिल की है।हम उद्यमियों का कर्तव्य है कि हम अपने देश को आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बनाएं और स्वाबलंबी बनकर कार्य करे और उद्यमियता को बढ़ाते हुए देश को ऊपर लेकर जाएं।ध्वजारोहण कार्यक्रम में सुनील सैनी एवं व्योम मेहरा आदि द्वारा देश भक्ति से ओतप्रोत गीत गाया गया।ध्वजारोहण कार्यक्रम मे सतीश अरोड़ा, एस. कुमार. अरोड़ा, अशोक गॉधी, के.एल.अरोड़ा, संदीप गुप्ता, प्ररमजीत सिंह, कुलदीप धमीजा, हरजीत सिंह, राजेश गुप्ता, अशोक छाबड़ा, अतीश गुप्ता, दर्शन कुमार गुप्ता, विनय दहूजा, अरविंद खन्ना, तन्मय सचदेवा, अनुज कुमार जैन, सुषमा बजाज, विकास मलिक, अवजीत सिंह छाबड़ा, राजकुमार कश्यप, सुनील अरोड़ा, रामनाथ शर्मा, गुलबशर, गौरांग अरोड़ा, नौशाद अली, प्रवीण कर्दम, अमित अरोड़ा, संजय यादव आदि के अलावा लगभग 70 पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त ने किया आयुक्त कार्यालय में ध्वजारोहण

विकसित भारत के लक्ष्य को करेंगे प्राप्त: अटल कुमार राय

सभी नए संकल्प और सोच के साथ देश हित में करें कार्य

भारत संवाद

सहारनपुर। मण्डलायुक्त अटल कुमार राय द्वारा 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने आयुक्त कार्यालय में ध्वजारोहण किया गया। अटल कुमार राय ने कहा कि देश को आजादी दिलाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों को नमन करता हूँ। उन्होने कहा कि आज के दिन से एक दिन पहले 14 अगस्त को हुई विभाजन की विभीषिका याद रखनी चाहिए और उससे सबक लेना चाहिए। मण्डलायुक्त ने कहा कि आजादी के 78 वर्ष उपलब्धियों से भरे है, इस यात्रा में सभी का योगदान है और इस पर हमें गर्व करना चाहिए। आगामी 02 से 03 वर्षों में देश तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा। हम अपने विकसित भारत के लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेंगे। उन्होने कहा कि सभी नए संकल्प और सोच के साथ देश हित में कार्य करें जिससे देशवासियों को फायदा हो। हम सभी भारत माँ की संतान है। हर भारतीय भाई के प्रति संवेदना और सम्मान रखें। सभी नागरिकों को देश के प्रति निर्धारित दायित्वों को अवश्य पूरा करना चाहिए। उन्होने श्री अरबिन्दो घोष के कथन का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की नियती सदैव अखण्ड होने की है। उन्होने संबोधन करते हुए कहा कि अपने नगर और गांव को स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। स्वच्छता का ध्यान रखते हुए यातायात नियमों का पालन करें। समाज के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता से परिवार, समाज और देश को ऊंचाईयों पर पंहुचाया जा सकता है।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

फ्रीलांसर के तौर पर काम करना पसंद कर रहे हैं प्रोफेशनल्स

आजकल अनेक प्रोफेशनल्स किसी कंपनी के एम्प्लॉयी के तौर पर कई-कई घंटे और वह भी असुविधाजनक समय पर, काम करने के बजाय फ्रीलांसर के तौर पर काम करना पसंद कर रहे हैं। अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए वे किसी कंपनी के ब्रांड नेम पर निर्भर रहने के बजाय अपनी प्रतिभा पर विश्वास कर रहे हैं।

यह बात खास तौर पर क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों पर लागू होती है, जैसे फोटोग्राफर, राइटर, कॉपी एडिटर, पेंटर, फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, कार्टूनिस्ट आदि। फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसे कई बंधनों से मुक्त हो जाते हैं, जो किसी कंपनी के रेगुलर एम्प्लॉयी के तौर पर आपको मानने पड़ते हैं।

काम के घंटे

फ्रीलांसर को 9 से 5 बजे तक ऑफिस में बैठकर काम नहीं करना होता। अगर आप सुबह देर से उठते हैं और रात देर तक काम करना चाहते हैं, तो फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसा कर सकते हैं। फ्रीलांसिंग में सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप अपनी सुविधा से अपना काम का समय चुन सकते हैं।

ऑफिस पॉलिटिक्स

हर ऑफिस में खेमेबाजी, राजनीति आदि होती ही है। कोई आपके काम का श्रेय लेने की फिराक में रहता है, कोई पीठ पीछे आपकी बुराई करता है। कई लोग ऐसे माहौल में असहज हो जाते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ काम नहीं कर पाते। अगर आप ऐसे लोगों में से हैं, जिन्हें इस तरह का माहौल कतई बर्दाश्त नहीं, तो फ्रीलांसिंग आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है। यहां बस आप हैं और आपका काम है।

सैलरी

आपको मैनेजमेंट के साथ अपने वेतन और वेतनवृद्धि को लेकर मोलभाव नहीं करना होता। एक बार आपने खुद को फ्रीलांसर के तौर पर स्थापित कर लिया, तो आप जो उचित समझें, उतना पैसा डिमांड कर सकते हैं। अगर आपका नाम हो गया, तो क्लाइंट्स आपकी डिमांड के अनुसार पैसा देने को तैयार रहेंगे।

बॉस

नौकरी करते हुए केवल अच्छा काम करना ही पर्याप्त नहीं होता, आपको अपने बॉस को भी खुश रखना होता है। तभी आपके काम को पहचान (और आपको तरक्की) मिलती है। मगर फ्रीलांसर के सामने ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। अगर आप अपने काम से अपने क्लाइंट्स को संतुष्ट कर दें, तो आपको मार्केट में पहचान मिल जाएगी। फिर वह क्लाइंट तो दोबारा आपके पास आएगा ही, दूसरे क्लाइंट्स भी आपका नाम सुनकर आपसे संपर्क करेंगे। यदि अधिक ऑफर्स हों, तो आप अपनी पसंद से क्लाइंट्स चुन सकते हैं। ऐसे लोगों के लिए काम करना जरूरी नहीं होता, जिन्हें आप पसंद नहीं करते।

ऑफिस एटिकेट

ऑफिस में आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप एक खास तरह से खुद को प्रस्तुत करें। आपको अपने कपड़ों, अपनी बोलचाल, बॉडी लैंग्वेज आदि का लगातार ध्यान रखना होता है। जब आप फ्रीलांसर के तौर पर घर से ही काम करते हैं, तो आप चाहे जैसे कपड़े पहन सकते हैं, बीच में किसी से बिंदास गपशप भी कर सकते हैं। कुर्सी पर पैर चढ़ाकर काम करना चाहते हैं, तो इसके लिए भी यहां कोई आपको नहीं टोकेगा।

चुनौतियां भी कम नहीं

ऐसा नहीं है कि फ्रीलांसिंग में मजा ही मजा है। इसमें आपको मेहनत तो करनी ही होती है, साथ ही इसमें खतरा भी है। यहां आपको हर महीने तयशुदा दिन तयशुदा सैलरी नहीं मिलती। जब जितना काम किया, उस हिसाब से पैसे मिलेंगे। अपनी मार्केटिंग आपको खुद करनी होती है। नेटवर्किंग, पीआर, क्लाइंट मैनेजमेंट आदि अच्छा होने पर ही फ्रीलांसर के रूप में आप सफल रह सकते हैं। यह काम अपना बिजनेस चलाने की तरह ही है। अच्छा-बुरा जो भी हो, उसके लिए आप ही जिम्मेदार होते हैं।बेहतर यही होगा कि जॉब छोड़ने से पहले आप फ्रीलांसिंग की दुनिया की जांच-परख कर लें। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है। स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो समझदारी इसी में है कि आप एकाध साल गुजारा करने जितना पैसा अलग से सुरक्षित रखें। वैसे बेहतर यही होगा कि आप जॉब में रहते हुए फ्रीलांसिंग शुरू कर दें और यह काम जम जाने के बाद ही जॉब छोड़ें।

क्रिएटिव लोगों के लिए इस क्षेत्र में टीचिंग के हैं शानदार मौके

आज भले ही हमारे आसपास हजारों जॉब ऑप्शंस उपलब्ध हों मगर जिन लोगों का मन शिक्षण में लगता है, उनके लिए आज भी यह बाकी सारे प्रोफेशंस से ऊपर है। यूं तो हर विषय का अध्यापन अपनी खास विशेषताएं लिए हुए होता है मगर आर्ट्स एंड क्राफ्ट का अध्यापन अन्य विषयों से हटकर है। आज, जबकि बच्चों के विकास पर जोर दिया जा रहा है, ऐसे में स्कूली स्तर पर आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर की मांग बढ़ रही है। अगर आप भी आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर बनने की चाह रखते हैं, तो इसके लिए आपको कुछ खास डिग्री/ डिप्लोमा/ सर्टिफिकेट हासिल करना होगा। ध्यान रहे, आर्ट्स एंड क्राफ्ट के तहत बहुत-से फील्ड्स आते हैं, जैसे ड्रॉइंग, पेंटिंग, थिएटर, हैंडिक्राफ्ट्स, फोटोग्राफी, पेपर आर्ट, पॉटरी, क्ले मॉडलिंग आदि। हर कला एक हुनर है और इसे सिखाना, इससे भी बड़ा हुनर।

जरूरी क्वॉलिफिकेशन

यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त किसी सरकारी/प्रायवेट कॉलेज से आर्ट का नियमित ग्रेजुएट डिग्री कोर्स।
किसी प्रतिष्ठित कॉलेज या ट्रेनिंग सेंटर/ इंस्टीट्यूट से 1 या 2 वर्ष का आर्ट का डिप्लोमा कोर्स।
किसी सरकारी कॉलेज से 6 माह का आर्ट एप्रीसिएशन सर्टिफिकेशन कोर्स।
इन सभी कोर्सेज में थ्योरी और प्रेक्टिकल दोनों महत्वपूर्ण होते हैं। ये कोर्स करने से आप कला के तकनीकी पक्ष को अच्छी तरह समझने लगते हैं। साथ ही आपको क्लासरूम मैनेजमेंट, टीचिंग इक्विपमेंट आदि के बारे में भी सीखने को मिलता है। अपने ज्ञान को विस्तार देने के लिए आप कहीं शॉर्ट-टर्म इंटर्नशिप भी कर सकते हैं। ऐसा करने से नियमित जॉब करने से पहले आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

कौन होता है अच्छा आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर

एक अच्छा आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर बनने के लिए केवल अकादमिक क्वॉलिफिकेशन ही पर्याप्त नहीं है। इसके लिए आपमें कुछ और गुण होना भी बेहद जरूरी है, जैसे:

- आपमें कला और उसके अध्यापन को लेकर पैशन हो।
- आप विद्यार्थियों के साथ सहज तालमेल बिठा लेते हों और आपमें उन्हें प्रेरित करने की क्षमता हो।
- आप अथाह धैर्य के स्वामी हों। कला और शिक्षण दोनों ही धैर्य मांगते हैं।
- आप हर वक्त कुछ नया सोचने की क्षमता रखते हों।
- आप सिखाने के साथ-साथ खुद नया सीखते रहने को भी तत्पर हों।
- विभिन्न शिक्षण तकनीकों पर आपकी मजबूत पकड़ हो।

आसान नहीं, चुनौतीपूर्ण है टेलिफोनिक इंटरव्यू

आजकल अक्सर कंपनियां नौकरियों के लिए उम्मीदवारों को शॉर्ट-लिस्ट करने, इंटरव्यू का खर्च कम करने या फिर दूसरे शहरों के उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग के लिए टेलिफोनिक इंटरव्यू लेती हैं। जो भी हो, आखिरकार यह है तो जॉब इंटरव्यू ही और अगर आप ऐसा इंटरव्यू दे रहे हैं, तो आपके लिए यह अधिक चुनौतीपूर्ण है क्योंकि आपको केवल अपनी आवाज से ही इंटरव्यूअर को प्रभावित करना है।

आपको यह भी लग सकता है कि टेलिफोनिक इंटरव्यू देना तो आसान है क्योंकि यहां आपको इंटरव्यू बोर्ड को अपने कपड़ों, बॉडी लैंग्जवेज आदि से इम्प्रेस नहीं करना लेकिन यह बात पूरी तरह सच नहीं है। चूंकि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता, सो वह आपके प्रत्येक जवाब का अधिक बारीकी से अध्ययन करेगा। ऐसे में हर सवाल का जवाब बिल्कुल सटीक होना जरूरी हो जाएगा। बेहतर यही होगा कि आप अपने टेलिफोनिक इंटरव्यू की अच्छी-खासी तैयारी कर लें। आम तौर पर उम्मीदवार को पहले से ही इंटरव्यू कॉल के दिन और समय के बारे में सूचित कर दिया जाता है। उस हिसाब से नियत दिन और समय पर तैयार रहें। अगर आपको अचानक ऐसे समय कॉल आ जाता है, जब आप किसी शोर-गुल वाली जगह पर या फिर बाथरूम में हैं, तो क्षमा मांगते हुए उनसे कहिए कि कृपया थोड़ी देर बाद कॉल करें। मगर ध्यान रखें, हो सकता है कि आपको त्वरित तौर पर इंटरव्यू देना ही पड़े, सो इसके लिए तैयार रहें।

इंटरव्यू से पहले

फोन इंटरव्यू कई लोगों के लिए डरावने भी हो सकते हैं क्योंकि आप सामने वाले को देख नहीं पाते और इंटरव्यूअर आपकी आवाज के टोन से आपके बारे में राय बनाएगा। कुछ तैयारी करके आप इस इंटरव्यू को आसान बना सकते हैं:

- अपना रेज्यूमे अपने सामने ही रखें।
- कागज और पेन तैयार रखें, ताकि कुछ नोट करने का काम पड़े तो यहां-वहां ढूंढना न पड़े।
- कंपनी के बारे में पहले से जानकारी एकत्र करके रखें। इंटरव्यू के दौरान यह जानकारी आपकी पहुंच के भीतर होना चाहिए।
- अपनी उपलब्धियों की सूची उदाहरण सहित तैयार रखें। टेलिफोनिक इंटरव्यू का यह एक बड़ा फायदा है कि आप लिखी हुई सूची में से पढ़कर सुना सकते हैं।
- यह सुनिश्चित कर लें कि इंटरव्यू के दौरान आपके आसपास कोई शोर-गुल या किसी तरह का व्यवधान न हो। बच्चे, मित्र या पालतू आकर आपको डिस्टर्ब न करें। रेडियो-टीवी बंद हो। आसपास कोई दूसरा फोन भी न हो, जो अचानक इंटरव्यू के बीच बज उठे।
- अपने फोन में कॉल वेटिंग को स्विच ऑफ कर लें, ताकि इंटरव्यू कॉल के दौरान व्यवधान न हो।
- अगर इंटरव्यू मोबाइल फोन पर दे रहे हैं, तो फोन को पहले ही पूरी तरह चार्ज कर लेना न भूलें।
- फोन पर इंटरव्यू देने की प्रेक्टिस करें और अपनी आवाज को रेकॉर्ड करके सुनें। उसमें जो भी कमी लगे, उसे सुधारने का प्रयास करें।
- माना कि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता लेकिन अगर आप इंटरव्यू के दौरान थोड़े फॉर्मल कपड़े पहनेंगे, तो इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ेगा और आप प्रोफेशनलिज्म से इंटरव्यू दे पाएंगे।
- पानी का ग्लास जरूर अपने पास रखें।

ट्रम्प-पुतिन के बीच 3 घंटे बैठक, कोई डील नहीं हुई

दोनों 12 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रवाना हुए; 18 अगस्त को जेलेंस्की अमेरिका जाएंगे

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, रूसी राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने शुक्रवार देर रात अलास्का में मुलाकात की। उनके बीच यूक्रेन जंग खत्म करने पर करीब 3 घंटे मीटिंग हुई। इसके बाद दोनों नेताओं ने सिर्फ 12 मिनट की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों के किसी सवाल का जवाब नहीं दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प ने कहा कि मुझे लगता है कि हमारी बैठक बहुत सकारात्मक रही। हमने कई बिंदुओं पर सहमति जताई, लेकिन कोई डील नहीं हुई। कोई समझौता तभी होगा जब वह अंतिम रूप लेगा। ट्रम्प ने इस बैठक को 10 में से 10 अंक दिए। वहीं, पुतिन ने कहा कि उनके लिए रूस की सुरक्षा सबसे जरूरी है। उन्होंने अगली मीटिंग मॉस्को में करने का सुझाव दिया। अपनी बात कहने के बाद दोनों नेता मंच से तुरंत चले गए। वहीं, जेलेंस्की ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि उनकी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से डेढ़ घंटे बातचीत हुई। जेलेंस्की 18 अगस्त को वॉशिंगटन डी.सी. जाकर ट्रम्प से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि यूक्रेन पूरी ताकत से शांति स्थापित करने के लिए तैयार है।

ट्रम्प-जेलेंस्की ने डेढ़ घंटे बात की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमीर जेलेंस्की ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से डेढ़ घंटे से ज्यादा लंबी बातचीत हुई। इस दौरान करीब एक घंटे तक दोनों नेताओं ने आपस में अकेले चर्चा की और फिर यूरोपीय नेताओं को भी जोड़ा गया। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन पूरी ताकत से शांति स्थापित करने के लिए तैयार है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने उन्हें रूस के राष्ट्रपति के साथ हुई मुलाकात और बातचीत की जानकारी दी। यूक्रेन ने ट्रम्प के उस प्रस्ताव का समर्थन किया है जिसमें यूक्रेन, अमेरिका और रूस की त्रिपक्षीय बैठक करने की बात कही गई है। जेलेंस्की सोमवार को वॉशिंगटन डी.सी. जाकर राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात करेंगे और युद्ध खत्म करने पर विस्तार से बातचीत करेंगे। जेलेंस्की ने कहा कि यूरोपीय देशों की भागीदारी जरूरी है ताकि अमेरिका के साथ मिलकर मजबूत सुरक्षा गारंटी मिल सके। उन्होंने अमेरिका से मिले सकारात्मक संकेतों का स्वागत किया और सभी सहयोगी देशों का धन्यवाद किया।

ट्रम्प-पुतिन प्रेस ब्रीफिंग की 5 अहम बातें:

- ट्रम्प-पुतिन में 3 घंटे क्या बातचीत हुई, इसकी जानकारी नहीं।
- 12 मिनट चली प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों नेताओं ने किसी पत्रकार के सवाल का जवाब नहीं दिया।
- ट्रम्प ने कहा कि बैठक सकारात्मक रही, लेकिन अभी कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ।
- पुतिन ने कहा कि यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए उसकी असल वजह को खत्म करना जरूरी।
- पुतिन ने कहा कि अगर 2022 में ट्रम्प राष्ट्रपति होते, तो यूक्रेन युद्ध नहीं होता।

पाकिस्तान में कुदरत का कहर, अचानक आई बाढ से 300 से ज्यादा मौतें

एजेंसी

पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में मूसलाधार बारिश और अचानक आई बाढ ने भारी तबाही मचाई है, जिससे मात्र 24 घंटों में 300 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। मृतकों में एक बचाव हेलीकॉप्टर के पांच चालक दल के सदस्य भी शामिल हैं, जो बाढ पीडितों तक मदद पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे।

नदियां और नाले उफान पर हैं, और पानी सडकों व घरों में भर गया है। इस विनाशकारी बाढ ने पेड उखाड दिए हैं

और अपने रास्ते में आने वाले सभी बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया है। मूसलाधार बारिश के कारण कई जगहों पर भूस्खलन भी हुआ है, जिससे सडकें बह गई हैं और कई इलाकों का

संपर्क टूट गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में पानी में डूबे घर, तैरती हुई कारें और बचावकर्मी दिख रहे हैं, जो इस भयंकर तबाही के बीच लोगों को बचाने के लिए जूझ रहे हैं। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, बुनेर के उपायुक्त काशिफ कय्यूम ने बताया कि सबसे ज्यादा मौतें पीर बाबा और मलिक पुरा गांवों में हुई हैं, जहां प्राथमिक उपचारकर्ता अभी भी शवों को निकालने का काम कर रहे हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) की रिपोर्ट के मुताबिक, इस आपदा में अब तक 307 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से अकेले बुनेर में 184 लोग मारे गए। अन्य जिलों में भी बडी संख्या में मौतें हुई हैं, जैसे शांगला में 36, मनसेहरा में 23 और स्वात में 22। पीडीएमए के प्रवक्ता ने बताया कि मृतकों और घायलों की संख्या में और वृद्धि हो सकती है, क्योंकि अभी भी कई लोग लापता हैं। इस बीच, अफगान सीमा के पास बाजौर में एक राहत हेलीकॉप्टर खराब मौसम के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी पांच चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस बाढ की स्थिति की समीक्षा के लिए एक आपात बैठक की अध्यक्षता की है।

> “पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में मूसलाधार बारिश और अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है, जिससे 24 घंटों के भीतर 300 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। शहर, गांव और सड़कें पानी में डूब गए हैं, और बचावकर्मी भी इस प्राकृतिक आपदा का शिकार हुए हैं।

ट्रम्प बोले-रूस से तेल लेने वाले देशों पर प्रतिबंध नहीं

भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ से रूस ने एक बड़ा ग्राहक खोया

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वो फिलहाल रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर प्रतिबंध लगाने पर विचार नहीं कर रहें है। ट्रम्प ने कहा, मुझे इसके (टैरिफ के) बारे में दो या तीन हफ्ते में सोचना पड़ सकता है, लेकिन हमें इसके बारे में तुरंत सोचने की जरूरत नहीं है। दरअसल, ट्रम्प ने भारत पर रूस से तेल और हथियार खरीदने के लिए 6 अगस्त को 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया था। 27 अगस्त से लागू होगा। इसके बाद भारत पर कुल टैरिफ 50% हो जाएगा। हालांकि, भारत साफ कर चुका है कि ट्रम्प की धमकियों के बाद रूसी तेल खरीदारी में कोई रोक नहीं लगी है। वही, ट्रम्प-पुतिन ने अलास्का में शुक्रवार (15 अगस्त) देर रात यूक्रेन जंग पर बातचीत की। भारत ने इस कदम का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा- दुनिया रूस-यूक्रेन जंग खत्म होते देखना चाहती है। पुतिन और ट्रम्प ने शुक्रवार देर रात अलास्का में मुलाकात की। उनके बीच यूक्रेन जंग खत्म करने पर करीब 3 घंटे मीटिंग हुई। इसके बाद दोनों नेताओं ने सिर्फ 12 मिनट की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों के किसी सवाल का जवाब नहीं दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प ने कहा कि हमारी बैठक बहुत सकारात्मक रही। हमने कई बिंदुओं पर सहमति जताई, लेकिन कोई डील नहीं हुई। कोई समझौता तभी होगा, जब वह अंतिम रूप लेगा। ट्रम्प ने इस बैठक को 10 में से 10 अंक दिए। वहीं, पुतिन ने कहा कि उनके लिए रूस की सुरक्षा सबसे जरूरी है। उन्होंने अगली मीटिंग मॉस्को में करने का सुझाव दिया। अपनी बात कहने के बाद दोनों नेता मंच से तुरंत चले गए। भारत ने शनिवार को ट्रम्प और पुतिन के बीच अलास्का में बैठक का स्वागत किया। इसे सराहनीय कदम बताया। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने के लिए कूटनीति के महत्व पर भी जोर दिया। बयान में आगे कहा गया, भारत समिट में हुई प्रगति की सराहना करता है। आगे का रास्ता बातचीत और कूटनीति से ही निकल सकता है। दुनिया यूक्रेन में संघर्ष का जल्द अंत देखना चाहती है। ट्रम्प-पुतिन की बातचीत से पहले अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की धमकी दी थी।

ब्लूमबर्ग से बात करते हुए उन्होंने कहा था- ये टैरिफ शुक्रवार को अलास्का में होने वाली अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात के नतीजे पर निर्भर करेगा।

इससे पहले ट्रम्प ने भी 13 अगस्त को चेतावनी दी थी कि अगर मॉस्को शांति समझौते पर सहमत नहीं हुआ तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। एक अलग इंटरव्यू में फॉक्स न्यूज से बात करते हुए स्कॉट बेसेंट ने कहा कि व्यापार को लेकर बातचीत में भारत का कुछ ज्यादा अड़ियल रुख रहा है। इस महीने की शुरूआत में बातचीत तब रुक गई थी, जब ट्रम्प ने भारत के रूस से व्यापार और अन्य मतभेदों पर चर्चा आगे बढ़ाने से मना कर दिया था। भारत, चीन के बाद रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूस से सिर्फ 0.2% (68 हजार बैरल प्रतिदिन) तेल इम्पोर्ट करता था।

अमेरिका में पंजाबी ड्राइवर की लापरवाही

ट्रक से टकराई वैन, महिला समेत 3 की मौत, गलत यू-टर्न लेने से हादसा

एजेंसी

लुधियाना, पंजाब के एक ट्रक ड्राइवर की अमेरिका के फ्लोरिडा टर्नपाइक में ड्राइविंग दौरान बड़ी लापरवाही का वीडियो सामने आया है। फ्लोरिडा की सड़क पर गलत यू-टर्न लेने कारण एक बड़ा एक्सीडेंट हो गया। सामने से आ रही मिनी वैन ट्रक से टकरा गई। वैन में सवार 3 लोगों की मौत हो गई। ट्रक में सवार ड्राइवर और उसके साथी को किसी तरह की चोट नहीं आई। हादसा

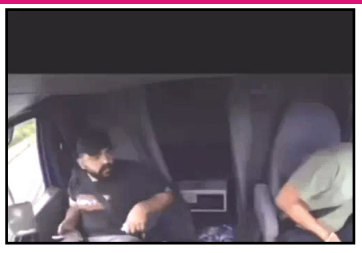

इतना भयानक था कि मिनी वैन बुरी तरह से ट्रक के नीचे घुस गई। इस हादसे में फ्लोरिडा के तीन लोगों की मौत हो गई है। उधर, पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है। हादसे की वीडियो भी पुलिस ने कब्जे में ले ली है। ट्रक ड्राइवर का नाम और पहचान अभी उजागर नहीं की गई। सोशल मीडिया पर जो वीडियो सामने आया है उसमे नजर आ रहा है कि ट्रक ड्राइवर अचानक से यू-टर्न ले रहा है, तभी सामने से आ रही गाड़ी ट्रक के पिछले हिस्सा से टकरा जाती है। पता चला है कि ट्रक ने यू-टर्न लेने की कोशिश की और बांई लेन में एक मिनी वैन के सामने से गुजर गया। मिनी वैन का ड्राइवर ट्रक से बच नहीं पाया। मिनी वैन के 30 वर्षीय ड्राइवर और उसके दो यात्री, एक 37 वर्षीय महिला और एक 54 वर्षीय पुरुष सवार थे, सभी की मौत हो गई। ट्रक के ड्राइवर और उसके साथ को कोई चोट नहीं आई।

इस हादसे के बाद उत्तर दिशा वाली सभी लेन कई घंटों तक बंद रहीं, जिससे यातायात में प्रभावित हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों और कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने उस जगह पर टायरों के निशान देखे जहां सेमी ने दोपहर के समय अवैध रूप से गाड़ी चलाने की कोशिश की थी।

1 करोड़ रोजगार, उद्योगों को दोगुनी सब्सिडी और मुफ्त जमीन

चुनाव से पहले नीतीश कुमार का बड़ा ऐलान

एजेंसी

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़ी घोषणा करते हुए, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि राज्य सरकार अगले पाँच वर्षों में युवाओं को एक करोड़ नौकरियाँ प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार पहले ही सरकारी नौकरियों और अन्य रोजगार के अवसरों के माध्यम से 50 लाख युवाओं को रोजगार प्रदान कर चुकी है, जो 2020 में सात निश्चय-2 कार्यक्रम के तहत निर्धारित लक्ष्य है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि 2020 में सात निश्चय-2 के तहत की गई घोषणा के क्रम में हमारी सरकार ने 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार देने के लक्ष्य को पूरा कर लिया है। नीतीश ने आगे कहा कि अब हमारी सरकार ने अगले 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। राज्य में उद्योग लगाने और स्वरोजगार करने वालों को कई प्रकार की सुविधाएं देकर सरकार उन्हें प्रोत्साहित कर रही है। अब बिहार में उद्योग लगाने के लिए उद्यमियों को विशेष आर्थिक पैकेज दिया जाएगा। निजी क्षेत्रों को बिहार में उद्योग लगाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा विशेष आर्थिक पैकेज देने का

> नीतीश ने आगे कहा कि अब हमारी सरकार ने अगले 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। राज्य में उद्योग लगाने और स्वरोजगार करने वालों को कई प्रकार की सुविधाएं देकर सरकार उन्हें प्रोत्साहित कर रही है।

निर्णय लिया गया है। इसके तहत कैपिटल सब्सिडी, ब्याज सब्सिडी तथा जी॰एस॰टी॰ के लिए दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को दोगुना किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उद्योग लगाने के लिए सभी जिलों में जमीन की व्यवस्था की जाएगी तथा ज्यादा रोजगार देने वाले उद्योगों को मुफ्त में जमीन दी जाएगी। उद्योग लगाने हेतु आवंटित भूमि से संबंधित विवादों को समाप्त किया जाएगा। यह सारी सुविधाएं अगले 6 महीने में उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को दी जाएंगी। इसके अलावा कई और प्रावधान भी किए गए हैं, जिससे राज्य में उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को काफी मदद मिलेगी। इस संबंध में विस्तृत अधिसूचना अलग से जारी की जाएगी। राज्य सरकार की इस पहल का उद्देश्य है कि बिहार में उद्योगों को और ज्यादा बढ़ावा मिले, बिहार के युवा दक्ष एवं आत्मनिर्भर हों तथा उन्हें अधिक से अधिक रोजगार मिल सके एवं उनका भविष्य सुरक्षित हो।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, मथुरा में 25 लाख ने किए दर्शन

सोने से बनाए ठाकुर जी के वस्त्र, वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर के बाहर लंबी कतारें

> जन्मस्थान के बाहर भारी भीड़ लगी है। देशभर से लोग यहां आए हैं। वहीं, वृंदावन में 10 लाख से ज्यादा भक्त पहुंचे हैं। यहां के इस्कान मंदिर में काफी भीड़ है। बड़ी संख्या में विदेशी श्रद्धालु भी पहुंचे हैं। कई विदेशी श्रद्धालु कृष्ण भक्ति में लीन होकर डांस कर रहे हैं।

एजेंसी

मथुरा/द्वारका , देशभर में आज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई जा रही है। मथुरा-वृंदावन में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की धूम है। मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मस्थान में शाम तक 25 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। वृंदावन में 10 लाख भक्त मौजूद हैं। बांके बिहारी मंदिर के बाहर दर्शन करने वालों की लंबी लाइनें लगी हैं। श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर ठाकुरजी को अर्पित होने वाली पोशाक को 6 महीने में मथुरा के कारीगरों ने तैयार किया है। इसमें सोने-चांदी के तारों का इस्तेमाल किया गया है। कपड़े में इंद्रधनुष के 7 रंगों को रखा गया है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर को 'ऑपरेशन सिंदूर' की थीम पर सजाया गया है। जिस फूल बंगला में ठाकुरजी विराजे हैं, उसे सिंदूरी फूलों से सजाया गया है। ये फूल कोलकाता और बेंगलुरु से मंगाए गए हैं। नाथद्वारा में कान्हा के जन्म पर 21 तोपों की सलामी दी जाएगी श्रीनाथजी मंदिर नाथद्वारा में सुबह मंगला दर्शन के साथ ही जन्माष्टमी उत्सव की शुरूआत हुई। मंगला दर्शन में श्रीनाथ जी को दूध, दही, घी, शक्कर व शहद से पंचामृत स्नान कराया गया। इसके बाद विशेष शृंगार किया गया। रात 12 बजे कान्हा के जन्म पर 21 तोपों की सलामी दी जाएगी। इसके बाद ठाकुर जी को पंचामृत से स्नान करवाया जाएगा। छत्तीसगढ़ के रायपुर में कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। टाटीबंध के इस्कॉन टेंपल में 3 दिन का जन्माष्टमी महोत्सव चल रहा है। जैतूसाव मठ में भगवान को भोग लगाने के लिए 1100 किलो मालपुआ तैयार किया गया है। मठ में भजन संध्या, जन्म आरती कर राजभोग ठाकुरजी को लगाया जाएगा। मथुरा-वृंदावन में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की धूम है। जन्मस्थान के बाहर भारी भीड़ लगी है। देशभर से लोग यहां आए हैं। वहीं, वृंदावन में 10 लाख से ज्यादा भक्त पहुंचे हैं। यहां के इस्कान मंदिर में काफी भीड़ है। बड़ी संख्या में विदेशी श्रद्धालु भी पहुंचे हैं। कई विदेशी श्रद्धालु कृष्ण भक्ति में लीन होकर डांस कर रहे हैं। इससे पहले सुबह 5.30 बजे शहनाई और नगाड़ों की ध्वनि के बीच ठाकुरजी की मंगला आरती हुई। फिर पंचामृत से अभिषेक किया गया। सुबह 9 बजे मंदिर के भागवत भवन में पुष्पांजलि कार्यक्रम हुआ।

असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों ने गुवाहाटी में बैठक की

> असम से अलग कर मेघालय को राज्य का दर्जा दिया गया था। इस दौरान असम पुनर्गठन अधिनियम, 1971 को मेघालय ने चुनौती दी थी, जिसके चलते 884.9 किलोमीटर लंबी सीमा पर 12 क्षेत्रों में विवाद उत्पन्न हुआ।

एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को अपने मेघालय समकक्ष कोनराड के संगमा से यहां मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, आज गुवाहाटी में मेरी मेघालय के माननीय मुख्यमंत्री श्री कोनराड के संगमा के साथ चर्चा हुई। हमने दोनों राज्यों की साझा प्रगति को मजबूत करने के लिए कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि किन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। दोनों मुख्यमंत्रियों की पिछली मुलाकात दो जून को हुई थी, जिसमें स्वतंत्रता दिवस तक 12 विवादित क्षेत्रों में से पांच पर सीमा स्तंभ स्थापित करने पर सहमति बनी थी। असम और मेघालय ने मार्च 2022 में छह क्षेत्रों के सीमा विवाद को हल करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। सीमा स्तंभ पांच क्षेत्रों में लगाने पर सहमति बनी थी, जबकि छठे क्षेत्र पिलिंगटा को लेकर व्याख्या में अंतर होने के कारण वहां फिलहाल निर्माण नहीं करने का निर्णय लिया गया था। इस मुद्दे पर दोनों राज्यों के उपायुक्तों के स्तर पर चर्चा होनी थी।

जमशेदपुर में शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

> रामदास सोरेन का पार्थिव शरीर 16 अगस्त 2025 को दिल्ली से रांची लाया गया, जहां झारखंड विधानसभा परिसर में राजकीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी गई. इसके बाद शव यात्रा सड़क मार्ग से घाटशिला पहुंची, जहां भारी संख्या में लोगों ने उन्हें अंतिम विदाई दी.

नेताओं ने दी श्रद्धांजलि , रांची से घोड़ाबांधा तक अंतिम यात्रा

एजेंसी

जमशेदपुरः झारखंड के शिक्षा मंत्री और घाटशिला से झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) विधायक रामदास सोरेन का निधन 15 अगस्त 2025 को दिल्ली के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान हो गया. उनके पैतृक गांव घोड़ाबांधा में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया. इस दौरान विभिन्न दलों के नेताओं और समर्थकों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. घाटशिला से शव यात्रा जमशेदपुर के विभिन्न क्षेत्रों से होकर घोड़ाबांधा स्थित उनके पैतृक आवास पहुंची. वहां उनके अंतिम दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिसमें परिवार, समर्थक,

और स्थानीय लोग शामिल थे.

राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार रामदास सोरेन का अंतिम संस्कार घोड़ाबांधा से लगभग दो किलोमीटर दूर उनके पैतृक गांव में राजकीय सम्मान के साथ किया गया. सलामी के साथ आयोजित इस अंतिम संस्कार में उनके बड़े पुत्र सोमेश सोरेन ने मुखाग्नि दी. इस दौरान भारी संख्या में लोग मौजूद रहे, जो झारखंड आंदोलन के इस योद्धा को श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे. दुर्घटना और निधन 2 अगस्त 2025 को रामदास सोरेन अपने घोड़ाबांधा स्थित आवास के बाथरूम में गिर गए थे, जिससे उन्हें मस्तिष्क में गंभीर चोट और रक्त का थक्का (ब्रेन हेमरेज) हुआ. उन्हें तत्काल जमशेदपुर के एक अस्पताल में भर्ती किया गया, और बाद में एयर एंबुलेंस से दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल ले जाया गया. वहां उनकी स्थिति गंभीर बनी रही, और जीवन रक्षक प्रणाली (लाइफ सपोर्ट) पर होने के बावजूद 15 अगस्त की रात उनका निधन हो गया. नेताओं की श्रद्धांजलिअंतिम संस्कार के दौरान विभिन्न दलों के नेताओं ने रामदास सोरेन को श्रद्धांजलि दी. इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, झारखंड सरकार के मंत्री दीपिका पांडे, सांसद विद्युत वरण महतो, विधायक समीर मोहंती, मंगल कालिंदी, मंत्री इरफान अंसारी, विधायक दीपक बिरुआ, और संजीव सरदार सहित अन्य नेता मौजूद रहे.